

पीएम मोदी ने बेंगलुरु में किया मेट्रो विस्तार

तीन नई वंदेभारत को हरी झंडी



नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कर्नाटक के दौरे पर पहुंचे हैं। यहां वे बेंगलुरु और राज्य के लिए कई विकास कार्यों का शुभारंभ और शिलान्यास कर रहे हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। उन्होंने बेंगलुरु के केएसआर रेलवे स्टेशन पर तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, इनमें बेंगलुरु से बेलगावी, अमृतसर से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा और नागपुर (अजन्ती) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु मेट्रो की येलो लाइन का उद्घाटन भी किया है। यह मेट्रो लाइन आरवी रोड (रगिगुड्डा) से बोम्मसंद्रा तक जाएगी। इसकी लंबाई 19.15 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन हैं। येलो लाइन शुरू होने से बेंगलुरु में मेट्रो नेटवर्क 96 किमी हो जाएगा। प्रधानमंत्री खुद इस मेट्रो में सफर भी कर रहे हैं।

अब बिहार के डिप्टी सीएम सिन्हा के दो एपिक नंबर

पटना, एजेंसी



बिहार विस में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बाद अब डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के भी दो

एपिक नंबर मिले हैं। मतदाता सूची में विजय सिन्हा का लखीसराय और पटना के बांकीपुर विधानसभा के नाम से एपिक नंबर दर्ज है। हालांकि, डिप्टी सीएम ने पांच साल पहले एफिडेविट में अपनी उम्र-54 और एड्रेस पटना बताया है। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा- विजय कुमार सिन्हा के भी दो एपिक नंबर है। वो भी दो विधानसभा में, उम्र भी अलग अलग है। तेजस्वी ने ऑफिशियल वेबसाइट पर दोनों एपिक नंबर ऑनलाइन चेक करके भी दिखाया। उन्होंने कहा कि या तो विजय सिन्हा ने अथवा चुनाव आयोग ने फर्जीबाड़ा किया है। कांग्रेस नेताओं ने इसे 'चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर खतरा' बताते हुए आयोग से कार्रवाई की मांग की है।

विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टीट्यूट में बोले गडगरी

‘हम विश्वगुरु तभी बनेंगे जब एक्सपोर्ट को बढ़ाएंगे’

नागपुर, एजेंसी



केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि विश्व में हम अनेक तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि दुनिया झुकती है, बस झुकाने वाला चाहिए।

दरअसल, बीती रात नागपुर में विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कार्यक्रम में गडकरी ने कहा- सबसे बड़ी राष्ट्रभक्ति यह हो सकती है कि हम इम्पोर्ट को कम करें और एक्सपोर्ट को बढ़ाएं। विश्व गुरु बनने के लिए यह जरूरी है।

उन्होंने बताया कि दुनिया की सभी समस्याओं का उपाय साईंस, टेक्नोलॉजी और नॉलेज है। अगर हम नॉलेज और पावर का इस्तेमाल करेंगे तो दुनिया के सामने झुकना नहीं पड़ेगा।

रेल कोच फैक्ट्री का भूमिपूजन, अगले साल से शुरू होगा उत्पादन

रायसेन में बोले राजनाथ-हम धर्म पूछकर नहीं कर्म देखकर मारते हैं



भोपाल/औरंगाबाद, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वेद मंत्रोच्चार के बीच आज समीपस्थ रायसेन जिले के उमरिया में ग्रीनफील्ड रेल निर्माण केंद्र की आधारशिला रखी। 60 हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में बनने वाली इस फैक्ट्री में मेट्रो और वंदे भारत ट्रेनों के कोच तैयार होंगे तथा 1800 करोड़ रुपए की इस परियोजना का पहला चरण 2026 के मध्य तक पूरा होने के बाद उत्पादन भी शुरू हो जाएगा।

केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसके लिए और्बुद्धगंज के दशहरा मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में कहा इतने बड़े पैमाने पर रोजगार देने वाली योजना मप्र में बिरली ही होगी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के लोगों को धर्म पूछकर पहलगाम में मारा गया लेकिन हमने तय किया है कि हम कर्म देखकर लोगों को मारेंगे और ऐसा किया गया। भारत ने ही दुनिया भर को वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पहले देश रक्षा उपकरणों के मामले में विदेशों पर निर्भर था लेकिन बीते कुछ वर्ष में हमने अपनी जरूरत का उत्पादन न सिर्फ शुरू किया बल्कि दूसरे देशों को भी करीब 24 हजार करोड़ के रक्षा उत्पाद एक्सपोर्ट कर रहे हैं। रक्षा क्षेत्र का केंद्र बनने के लिए जो गुण चाहिए, वो मध्यप्रदेश के पास है। वे सभी संसाधन यहां मौजूद हैं।

इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम को वचुअंली संबोधित करते हुए हा

कि मप्र में कोच फैक्ट्री बनने से रेलवे का ईको सिस्टम आगे बढ़ेगा। वहीं मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस मौके पर कहा कि परियोजना से भोपाल, रायसेन, सीहोर और विदिशा जिलों को सीधा लाभ मिलेगा। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से पांच हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार हासिल होगा। यह बारिश के मौसम में आज रोजगार की बरसात की तरह है। यादव ने कहा कि यह यूनिट तेजी से लगेगी। फरवरी में जमीन देखने के बाद अब भूमिपूजन भी हो गया है। दो दिन में इस क्षेत्र में

शिवराज ने स्वदेशी खरीद पर जोर दिया

शिवराज सिंह ने कहा कि यह देश का बड़ा औद्योगिक क्षेत्र बन सकता है। हम इस नये यूनिट के लिये लंबे समय से राजनाथ सिंह के संपर्क में थे कि यह निवेश यहां आए। अमेरिका से ट्रेड डील के मामले में उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की कीमत पर किसी भी देश के लिये कारोबार का दरवाजा नहीं खोला जाएगा। प्रधानमंत्री की मंशा के मुताबिक उन्होंने स्वदेशी की खरीद पर भी जोर दिया।

36 सौ करोड़ के निवेश की सौगातें मिली हैं।

उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड की इस इकाई में रेलवे और मेट्रो कोच जैसे पैसेंजर कोच, मेट्रो कार, इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट्स, वंदे भारत ट्रेन सेट्स और हाई-स्पीड रेल सिस्टम का डिजाइन, निर्माण, असेम्बलिंग और परीक्षण सुविधाएं होंगी। इस दौरान परियोजना पर आधारित लघु फिल्म, 3डी वॉक थ्रू और नए संयंत्रों के मॉडल प्रदर्शित किए गए।

ट्रंप-पुतिन की 15 को मुलाकात, युद्ध रोकने पर होगी बात

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आगामी 15 अगस्त को अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करने वाले हैं इसका मकसद यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने का है। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक सफल रही तो तीन साल से जारी यूक्रेन जंग खत्म हो सकती है। ट्रंप और पुतिन की मुलाकात होती है तो यह पहली बार होगा जब दोनों नेता अमेरिका की



जमीन पर मिलेंगे। रूस ने पहले पुतिन और ट्रंप की मुलाकात के लिए यूएई का सुझाव दिया था। हालांकि बाद में

ट्रंप ने बैठक के लिए अलास्का को चुना। अलास्का रूस से सिर्फ 88 किलोमीटर दूर है। अलास्का से रूस के सबसे नजदीकी मिलिट्री बेस करीब 80 से 100 किलोमीटर की दूरी पर हैं। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ने कहा है कि किसी भी समाधान में यूक्रेन की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि वे स्थायी शांति के लिए सभी साझेदारों के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़

घाटी में दस दिन से जारी सेना का ऑपरेशन, 5 मरे

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के किरतवाड़ के दुल इलाके में आज भी भारतीय सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। आर्मी के व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बताया कि यह ऑपरेशन खुफिया इनपुट के आधार पर लॉन्च किया गया था और दस दिनों से जारी है।

अभी भी इलाके में 2 से 3 पाकिस्तानी आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। जबकि पांच आतंकी मारे जा चुके हैं। यह अब तक के सबसे लंबे एंटी-टेरर



ऑपरेशनों में से एक बताया जा रहा है। हालांकि दो दिन पहले गोलीबारी में लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह शहीद हो गए थे। इस ऑपरेशन में अब 10 जवान घायल हो चुके हैं।

मप्र में 13 से बदलेगा मौसम

दिल्ली में यमुना खतरे के निशान के करीब



नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय राजधानी में लगातार तेज बारिश के कारण अफरातफरी के हालात हैं। आज यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205 मीटर से थोड़ा नीचे है। यदि बरसात और बढ़ी तो हालात बिगड़ सकते हैं। हालांकि छुट्टी के दो दिनों से यातायात संबंधी समस्या कम है। मगर सैकड़ों फ्लाइट्स लेट हुईं। जैतपुर इलाके में मोहन बाबा मंदिर के पास एक 100 फुट लंबी दीवार गिरी, मलबे से 8 लोगों दब गए और इलाज के दौरान 7 की मौत हुई।

इधर मप्र में आज नर्मदापुराम, बैतूल व हरदा में भारी बारिश की चेतावनी है। जबकि भोपाल समेत आधे से ज्यादा राज्य में करीब 24 साल बरद यह स्थिति है कि अगस्त

महीने के पहले दस दिन बिना बारिश के निकले हैं। मौसम विभाग का कहना है कि 13 अगस्त से मौसम बदलने के आसार हैं, क्योंकि बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है, जो एक बड़े मानसूनी सिस्टम में बदल सकता है।

मगर उम्र में बीते एक हफ्ते से तेज बारिश जारी है। आज भी 5 जिलों में बहुत तेज बारिश हो रही है। उम्र में 47.3 मिमी बारिश हुई है, जो अनुमान से 12 फीसदी अधिक है। उधर बिहार में गंगा समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। जिससे, भागलपुर, वैशाली, मुंगेर, बेगूसराय समेत 7 जिलों में बाढ़ की स्थिति है। 10 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

मेट्रो एंकर

आर्मी चीफ जनरल द्विवेदी का सैन्य रणनीति पर दिलचस्प खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम शतरंज खेल रहे थे...

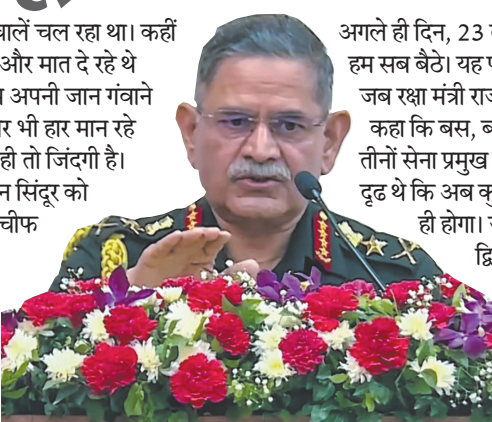
नई दिल्ली/चेन्नई, एजेंसी

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शौर्य पर गत दिवस एयरफोर्स चीफ के कुछ खुलासों के बाद अब आर्मी चीफ जनरल उषेंद्र द्विवेदी ने भी कुछ नई बातें सामने रखी हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास में एक संबोधन के दौरान कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमने शतरंज खेला। हमें नहीं पता था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। इसे ग्रे जोन कहा जाता है। ग्रे जोन का मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे, हम जो कर रहे हैं, वह पारंपरिक ऑपरेशन से थोड़ा कम है। हम शतरंज की चालें चल रहे थे और वह (दुश्मन) भी

शतरंज की चालें चल रहा था। कहीं हम उन्हें शह और मात दे रहे थे और कहीं हम अपनी जान गंवाने के जोखिम पर भी हार मान रहे थे, लेकिन यही तो जिंदगी है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आर्मी चीफ जनरल उषेंद्र द्विवेदी ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में जो हुआ, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया।

अगले ही दिन, 23 तारीख को, हम सब बैठे। यह पहली बार था जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बस, बहुत हो गया। तीनों सेना प्रमुख इस बात पर दृढ़ थे कि अब कुछ तो करना ही होगा। जनरल द्विवेदी ने बताया कि हमें पूरी छूट दी गई। कहा गया कि आप तय करें कि क्या करना है। इस तरह का आत्मविश्वास, राजनीतिक दिशा और



राजनीतिक स्पष्टता हमने पहली बार देखी। यही आपका मनोबल बढ़ाता है। इसी तरह हमारे सेना कमांडर-इन-चीफ को जमीन पर रहकर अपनी बुद्धि के अनुसार काम करने में मदद मिली। द्विवेदी ने आगे कहा कि 25 तारीख को हम उत्तरी कमान गए, जहां हमने सोचा, योजना बनाई, संकल्पना की। इसके बाद हमने नौ में से सात लक्ष्यों को नष्ट कर दिया, और बहुत सारे आतंकवादी मारे गए। 29 अप्रैल को हम पहली बार प्रधानमंत्री से मिले। यह महत्वपूर्ण है कि कैसे एक छोटा सा नाम ऑपरेशन सिंदूर पूरे देश को जोड़ता है। यह कुछ ऐसा है जिसने पूरे देश को प्रेरित किया। यही कारण है कि पूरा देश कह रहा

जीते होंगे, तभी तो प्रमोट हुए !

सेना प्रमुख ने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल बने असीम मुनीर पर निशाना साधते हुए कहा कि युद्ध में नेरेटिव मैनेजमेंट की अहम भूमिका होती है इसीलिये अगर आप किसी पाकिस्तानी से पूछें कि आप हारे या जीते, तो वह कहेगा कि मेरे आर्मी चीफ फील्ड मार्शल बन गए हैं, जरूर हम जीते होंगे, तभी तो वो फील्ड मार्शल बने।

था कि आपने इसे क्यों रोक दिया? गौरतलब है कि कल एयरफोर्स चीफ एपी सिंह ने कहा था कि हमने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू समेत छह विमान गिराए थे।

बेकाबू थार ने कुचला, सड़क पर पड़ी रही लाश

नई दिल्ली, एजेंसी

बेकाबू तेज रफ्तार थार के कहर ने एक जान ले ली और दूसरा जिंदगी व मौत के बीच झूल रहा है। इस थार ने सड़क पर पैदल चल रहे दो लोगों को कुचल दिया। जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा चाणक्यपुरी के 11 मुर्ति इलाके में हुआ है। थार गाड़ी ने यहां सड़क पार कर रहे दो लोगों को टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देने वाले चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। गाड़ी से शराब की बोतलें मिली हैं। फोरेंसिक टीम से पूरे वाहन की जांच कराई जा रही है। घायल शख्स अभी बयान देने की हालत में नहीं है, पुलिस मरने वाले शख्स की पहचान करने में जुटी है।

लालघाटी के गुफा मंदिर में 511ब्राह्मणों ने किया श्रावणी उपाकर्म



भोपाल के लालघाटी में स्थित श्री रामानंद आश्रम गुफा मंदिर में 75 साल पुरानी परंपरा को निभाते हुए श्रावणी उपाकर्म का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अनेक श्री विभूषित श्री मज्जगद गुरु श्रीस्वामी रामप्रवेश देवाचार्य जी महाराज के सानिध्य में 511 ब्राह्मणों ने भाग लिया।

हिरदाराम नगर. भोपाल के लालघाटी में स्थित श्री रामानंद आश्रम गुफा मंदिर में 75 साल पुरानी परंपरा को निभाते हुए श्रावणी उपाकर्म का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अनेक श्री विभूषित श्री मज्जगद गुरु श्रीस्वामी रामप्रवेश देवाचार्य जी महाराज के सानिध्य में 511 ब्राह्मणों ने भाग लिया। इस धार्मिक अनुष्ठान में दशविधि स्नान करने के बाद, सभी ब्राह्मणों ने वैदिक विधि से पूजा-अर्चना की। आचार्य डॉ. श्री रमेश प्रसाद त्रिपाठी और यज्ञसम्राट श्री अनिल तिवारी के साथ एकादश ब्राह्मणों ने सप्त ऋषि पूजन कर नया यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण किया। इस पूरे आयोजन के दौरान, दशविधि स्नान को भक्तों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र माना गया। यह कार्यक्रम पुरी श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ।



हमीदिया में अब ऑपरेशन भी मॉडर्न लेप्रोस्कोपिक मशीन से

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी के सबसे बड़े हमीदिया अस्पताल में गर्भाशय और बच्चेदानी से जुड़े ऑपरेशन भी मॉडर्न लेप्रोस्कोपिक मशीन से शुरू हो गये हैं। यह सुविधा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने उपलब्ध कराई है। खास बात यह है कि जहाँ निजी अस्पतालों में मरीजों को इस तरह की सर्जरी पर पचास हजार तक या कभी उससे ज्यादा खर्च आ जाता है वहीं हमीदिया में यह इलाज मुफ्त होगा।

इस सुविधा के बारे में अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि नई हाईटेक मशीन से ऑपरेशन पहले से ज्यादा सुरक्षित, सटीक और तेज होंगे। मशीन में हार्मोनिक स्केल पेल, टेलिस्कोप, अल्ट्रा-क्लियर कैमरा, हाई-रेजोल्यूशन मॉनिटर, लाइट सोर्स और माइक्रो हैंड इंस्ट्रूमेंट्स जैसे मॉडर्न उपकरण लगे हैं। ऑपरेशन के दौरान पेट या गर्भाशय के पास मात्र एक छोटा-सा कट लगाया जाता है, जिसमें कैमरे वाली पतली दृश्य डाली जाती है। डॉक्टर इस कैमरे से शरीर के अंदरूनी हिस्सों को स्क्रीन पर साफ-साफ देख पाते हैं।



बहुत कम बहता है खून

इस तकनीक के इस्तेमाल से फायदा यह है कि खून बहुत कम बहता है, संक्रमण का खतरा घट जाता है और मरीज की रिकवरी तेज होती है। पहले जहाँ मरीज को हफ्तों अस्पताल में रहना पड़ता था, अब ज्यादातर महिलाएं 2-3 दिन में डिस्चार्ज हो सकती हैं। गौरतलब है कि पारंपरिक ओपन सर्जरी में 6 से 8 इंच का कट लगता है। जबकि लेप्रोस्कोपिक सर्जरी आधे से एक सेंटीमीटर से पुरी होती है। पारंपरिक सर्जरी में अधिक दर्द और खून ज्यादा बहता है। लेप्रोस्कोपी तकनीक खासकर उन मरीजों के लिए वरदान है, जो दिल, डायबिटीज या अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। क्योंकि इसमें शरीर पर कम असर पड़ता है।

सख्ती के मूड में आरटीओ अमला

वाहन मालिकों को भेजा जाएगा संदेश

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी में बिना हार्ड सिक्वोरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के फर्टाटा भर रहे वाहनों को लेकर परिवहन विभाग फिर्तमंद हुआ है और जल्दी ही वाहन मालिकों ने यह नंबर प्लेट नहीं लगवाई तो आने वाले समय में पीयूसी, फिटनेस सर्टिफिकेट, आरसी बदलाव, परमिट नवीनीकरण और अन्य सेवाएं ठप हो जाएंगी। बताया जाता है कि राजधानी में रजिस्टर्ड हुए ऐसे वाहनों की संख्या करीब पांच लाख तक है। यह डेढ़ दशक में लगभग 19 लाख रजिस्टर्ड हुई गाड़ियां में से निकला आंकड़ा है। लिहाजा परिवहन विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट वाले वाहन मालिक अब कोई भी परिवहन संबंधी महत्वपूर्ण कार्य नहीं करा पाएंगे।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद विभाग ने इस अभियान को प्राथमिकता में रखते हुए तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। जानकारी के अनुसार, 2019 के बाद भोपाल में लगभग 5 लाख नई गाड़ियां रजिस्टर्ड हुई हैं। इनमें से अधिकांश वाहनों में एचएसआरपी लग चुकी है, लेकिन अब भी करीब 22 हजार गाड़ियों में यह नंबर प्लेट लगना बाकी है। इन गाड़ियों के मालिकों को जल्द ही नोटिस या संदेश भेजकर सूचित किया जाएगा। परिवहन विभाग का कहना है कि एचएसआरपी नंबर प्लेट हार्ड-क्राफ्टी, टेम्पर-प्रूफ होती है और इसमें एक यूनिक लेजर-कोड होता है, जिससे चोरी या फर्जी नंबर प्लेट लगाने जैसी घटनाओं पर रोक लगती है। यह सड़क पर लगे कैमरों से वाहन की सही पहचान में मदद करती है, जिससे ट्रैफिक नियमों का पालन और अपराध नियंत्रण आसान हो जाता है।

राजधानी में रजिस्टर्ड हुए ऐसे वाहनों की संख्या करीब पांच लाख तक

डेढ़ दशक में लगभग 19 लाख रजिस्टर्ड हुई गाड़ियां में से निकला आंकड़ा



जिले में गठित होंगे विशेष दल

इस अभियान के तहत अब भोपाल में जिला परिवहन अधिकारी की निगरानी में विशेष टीम गठित की जाएगी, जो अधिकृत डीलरों के माध्यम से एनआईसी वाहन पोर्टल पर डेटा अपडेट कराएंगी। गाड़ियों के मालिकों को कॉल, एसएमएस और सोशल मीडिया के जरिए अभियान की जानकारी दी जाएगी। आरटीओ जितेंद्र शर्मा का कहना है कि यदि वाहन भोपाल में रजिस्टर्ड है और उसमें अब तक एचएसआरपी नहीं लगी है, तो देरी नहीं करना चाहिए। अधिकृत डीलर या परिवहन कार्यालय में जाकर तुरंत नंबर प्लेट लग सकती है। परिवहन विभाग का दावा है कि यह प्रक्रिया आसान है और ऑनलाइन बुकिंग के बाद तय समय पर नंबर प्लेट लगाई जा सकती है।

क्या है हार्ड सिक्वोरिटी नंबर प्लेट

उल्लेखनीय है कि प्लेट पर नंबर उभारकर बनाए जाते हैं, ताकि कोई उनमें छेड़छाड़ न करने पाए। नंबर को प्रेशर मशीन की मदद से लिखा जाता है। इस नंबर से वाहन की पूरी कुंडली सामने आ सकती है। इसमें एक होलोग्राम स्टिकर होता है। जिस पर वाहन के चेसिस और इंजन के नंबर दर्ज होते हैं। इस खास तरह के स्टिकर को वाहन की नंबर प्लेट पर चिपकाया जाता है। इस पूरी प्लेट को वाहनों की सुरक्षा के लिहाज से तैयार किया गया है। एक बार प्लेट वाहन में फिट हो जाए तो उसे निकालना भी आसान नहीं हो पाता।

श्रमिक संगठनों की मांग-पद के बजाए एक समान कलर में हो जारी भेल में नए मेडिकल कार्ड सिस्टम का विरोध

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भेल. भेल में नए मेडिकल कार्ड सिस्टम का श्रमिक संगठनों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। इस आशय को लेकर भेल प्रबंधन से प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात भी की। जिसमें बताया कि भेल कॉर्पोरेट प्रबंधन द्वारा प्रस्तावित डेजिनेशन के आधार पर मेडिकल ट्रीटमेंट हेतु कलर कार्ड नीति के संबंध में हेस्टू एचएमएस यूनियन एवं सहयोगी यूनियन केटीयू और यूएमएस ने गहन चिंता व्यक्त की और हेस्टू एचएमएस और सहयोगी संगठनों ने एचएमआईएस के तहत रंग-भेद वाले नए मेडिकल कार्ड सिस्टम का विरोध जताया। इस मामले को लेकर यूनियन प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में इकाई प्रमुख प्रदीप कुमार उपाध्याय और महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टीयू सिंह से मिला। प्रतिनिधिमंडल में कोषाध्यक्ष राजेश चौधरी, वरिष्ठ



सचिव हेमंत सिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष एसके लोधी, चिकित्सा सलाहकार समिति सदस्य संतोष साहू, यूएमएस से संजय गुप्ता और केटीयू से मनीष टेकरे भी शामिल रहे। यूनियन द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि चिकित्सा सुविधाओं में कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। इसके बाद रिक्त सीटों को अंतिम सीएलसी में लेकर रखने का आश्वासन दिया है।

दूसरी सीएलसी के तहत प्रक्रिया जारी, कल होना पड़ेगा उपस्थित

तकनीकी शिक्षा : एमबीए, एमसीए, बीबीए और बीसीए के लिए पंजीयन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश के 124 इंजीनियरिंग कॉलेजों की खाली पड़ी तकनीक 40 हजार सीटों पर प्रवेश कराने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग की प्रक्रिया जारी है। दूसरी कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) के तहत एमबीए, एमसीए, बीबीए और बीसीए कोर्स में प्रवेश दिए जाएंगे। दूसरी सीएलसी में रिक्त सीटों को स्थानांतरित कर आज 10 अगस्त तक पंजीयन कराए जा रहे हैं। विद्यार्थी 11 अगस्त को सुबह साढ़े दस बजे से प्रवेश लेने के लिए कॉलेज में उपस्थित होंगे। इसके बाद रिक्त सीटों को अंतिम सीएलसी में लेकर प्रवेश दिया जाएगा। इसमें विद्यार्थी 12 से 14 अगस्त



तक पंजीयन कराएंगे और रात 11.45 तक फीस जमा प्रवेश लिए हैं। प्रदेश की 28 हजार 770 सीटें हैं।

कार प्रवेश ले पाएंगे। प्रदेश की 28 हजार 770 सीटें हैं : प्रदेश के 149 एमबीए कॉलेजों की करीब 17 हजार सीटों पर सीएलसी से प्रवेश होंगे। सीमैट से प्रथम राउंड में 1,044 और दूसरे राउंड में 471 प्रवेश हुए थे। इसके अलावा क्लाफीई राउंड में 10,322 विद्यार्थियों ने

लाइफ लाइन स्कूल में मनाया रक्षाबंधन का पर्व



हिरदाराम नगर। लाइफ लाइन स्कूल में भाई-बहन के पवित्र त्योहार रक्षाबंधन मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या किरण वाधवानी ने बच्चों को अपनी संस्कृति और त्योहार के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान, बच्चों ने एक-दूसरे को राखी बांधी, तिलक

लगाया, आरती उतारी और मिठाई खिलाई। जिन बच्चों के भाई या बहन नहीं थे, उन्होंने भी एक-दूसरे को भाई-बहन मानकर राखी का यह पर्व मनाया। भाइयों ने बहनों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस तरह स्कूल में एक उल्लासपूर्ण और पारिवारिक माहौल देखने को मिला।

मेट्रो एंकर

सिंधी समाज के लिए पूरी ताकत से काम करेगा ट्रस्ट

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत गुलमोहर बावड़िया कला ने मध्य प्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान और अभिनंदन किया। समारोह में ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी, महासचिव हरीश ज्ञानचंदानी, कोषाध्यक्ष अनिल चुग और विधिक सलाहकार जितेंद्र जाधवानी का स्वागत किया गया। पंचायत की ओर से अध्यक्ष संजय कुमार रामतानी, महासचिव देवानंद जेठानी, मुख्य सलाहकार डी.एम. मोटवानी, और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विकास वीरानी ने सभी का स्वागत किया।



इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी ने सिंधी समाज के

लिए किए जा रहे सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला, जिनमें गरीब मेधावी

छात्रों को छात्रवृत्ति, विधवा पेंशन और विवाह योग्य बच्चों के लिए एमपी

सिंधु भवन ट्रस्ट एप की जानकारी दी। समारोह के अंत में, पंचायत के अध्यक्ष संजय कुमार रामतानी ने ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों को 29 अगस्त, 2025 को होने वाले पूज्य चालीहा साहिब समान कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता दिया। इस कार्यक्रम में भगवान श्री झुलेलाल जी के 26वें वंशज पूज्य ठकुर साई मनीष लाल का सानिध्य प्राप्त होगा। समारोह में पंचायत की ओर से कोषाध्यक्ष सुनील नरियानी, सह कोषाध्यक्ष निक्की मूलचंदानी, सहसचिव भद्रत पमनानी, और कार्यकारिणी सदस्य विजय माध्यान सहित कई अन्य सदस्य भी मौजूद थे।



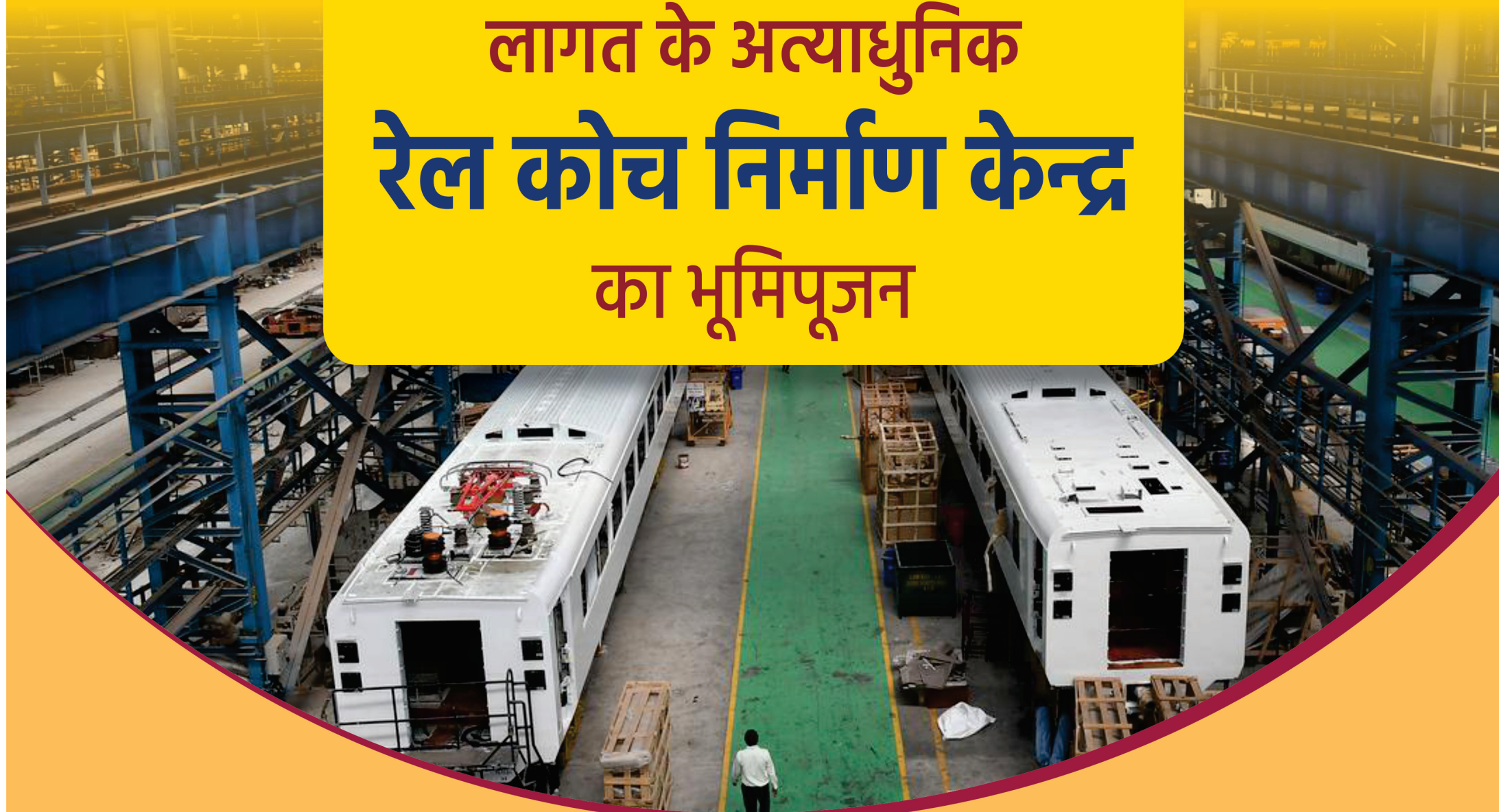
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

स्वदेशी अभियान विकास की नई पहचान

₹1800 करोड़ की लागत के अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण केन्द्र का भूमिपूजन



मुख्य अतिथि
राजनाथ सिंह
केन्द्रीय मंत्री, रक्षा मंत्रालय

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

शिवराज सिंह चौहान
केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण तथा
ग्रामीण विकास मंत्रालय

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय मंत्री, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
(वर्चुअल माध्यम से)

10 अगस्त 2025 | दोपहर 12:00 बजे | ग्राम उमरिया, जिला रायसेन

उच्च प्रौद्योगिकी युक्त निर्माण क्षमता, आधुनिक रेल तकनीक का केन्द्र

- यात्री कोच, मेट्रो कार, ईएमयू, वंदे भारत ट्रेन सेट्स एवं हाई-स्पीड रेल प्रणालियों की डिज़ाइन, निर्माण, असेम्बली तथा परीक्षण
- घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप उत्पादन

हरित ऊर्जा और नवाचार पर आधारित

- सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय स्रोतों से संचालित
- ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज, वर्षा जल संचयन, हरित परिसर और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण सामग्री का प्रयोग
- भारत के ग्रीन फ़ैक्ट्री मानकों के अनुरूप

विस्तार योग्य निर्माण क्षमता

- प्रारंभ में 125-200 कोच प्रति वर्ष निर्माण क्षमता
- पांच वर्षों में 1,100 कोच प्रति वर्ष तक विस्तार संभव

स्थानीय विकास को बल

- क्षेत्रीय एमएसएमई और आपूर्ति इकाइयों को बढ़ावा
- 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार अवसर
- निर्माण, लॉजिस्टिक्स और संबंधित क्षेत्रों में मजबूती

‘आत्मनिर्भर भारत’ की दिशा में ठोस कदम

- “ब्रह्मा” (बीईएमएल रेल हब फॉर मैनुफैक्चरिंग) सिर्फ एक संयंत्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, आधुनिक और वैश्विक स्तर का रेल निर्माण केन्द्र होगा
- BEML की अग्रणी तकनीकी क्षमता का प्रतीक



रिटायरमेंट के बाद क्या?

■ आशीष चौबे

रिटायरमेंट के बाद क्या? यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यापक प्रश्न है। व्यक्ति अपने जीवन के सर्वाधिक ऊर्जावान वर्षों को नौकरी, व्यवसाय या कर्मक्षेत्र में व्यतीत करता है। लेकिन जैसे-जैसे वह वृद्धावस्था की ओर बढ़ता है, उसकी शारीरिक एवं मानसिक क्षमताएँ धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। ऐसे में एक दिन अचानक जब वह रिटायर हो जाता है तो सक्रिय जीवन की भागदौड़ मानो धम सी जाती है। जीवन में एक शून्य, एक खालीपन उभर कर सामने आता है, जो अधिकांश लोगों को हतप्रभ कर देने वाला होता है। कई सालों से नियमित चलने वाली एक व्यवस्थित दिनचर्या जैसे अल्पविराम पर आ जाती है। जो काम, जो व्यस्तता आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी थी, अब अचानक वह बाद हो जाती है। ऐसे में व्यक्ति के लिए समय काटना एक बहुत बड़ी चुनौती बन

जाता है। सेवाकाल के दौरान रविवार बहुत प्रिय लगता है, लेकिन जब हर दिन रविवार जैसा हो जाये, तो वही रविवार भारी लगने लगता है। व्यक्ति को अपने परिवार, समाज और जीवन में स्वयं की उपयोगिता स्थापित और साबित करने का एक अजीब अनकहा सा दायित्व निभाना होता है। राजनीति को छोड़ दें, तो अधिकतर सरकारी, निजी और व्यावसायिक क्षेत्रों में सेवानिवृत्ति की आयु 60 से 65 वर्ष निर्धारित है। यही स्थिति अधिकांश देशों में भी देखी जाती है। इसका वैज्ञानिक आधार यही है कि इस आयु तक व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक सक्रियता अपने सर्वोत्तम स्तर पर होती है। इसके बाद उसे विश्राम की आवश्यकता होती है—न केवल शरीर के लिए, बल्कि मन के लिए भी। प्राचीन भारतीय आश्रम व्यवस्था में भी 50 से 75 वर्ष की आयु को वानप्रस्थ आश्रम कहा गया है। यह वह काल था, जब व्यक्ति क्रमशः सामाजिक



जिम्मेदारियों से मुक्त होकर आत्मिक एवं चिंतनशील जीवन की ओर अग्रसर होता था। वर्तमान समय में भी रिटायरमेंट एक ऐसा मोड़ है, जहाँ व्यक्ति के जीवन की दिशा परिवर्तित होती है। रिटायरमेंट के बाद के समय में अपने आप को शारीरिक और मानसिक रूप से सामान्य रखते हुए बदली परिस्थिति और नई भूमिका में स्वयं को ढालना एक बड़ी चुनौती होती है। कार्यकाल के दौरान जीवन एक निर्धारित अनुशासन में बंधा होता है—सुबह जल्दी उठना, तैयार होकर कार्यस्थल जाना, दिन भर व्यस्त रहना और शाम को थककर घर लौटना। इसी क्रम में सहकर्मियों से एक सामाजिक दायरा बनता है, जो वर्षों तक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन जाता है। वही हैंसी, वही संघर्ष, वही

सहयोग—सभी एक साझा यात्रा का हिस्सा होते हैं। किन्तु जैसे ही रिटायरमेंट आता है, यह सामाजिक दायरा भी बिखरने लगता है।

दरअसल, वह समाज हमारे पद या भूमिका के इर्द-गिर्द ही निर्मित होता है। पद की समाप्ति के साथ वह समाज भी धीरे-धीरे दूर हो जाता है। यही कारण है कि रिटायरमेंट के बाद एकाकीपन, मानसिक अवसाद और पारिवारिक कलह की स्थिति बन जाती है। कई बार लोग व्यस्त न रहने के कारण घर में हस्तक्षेप करने लगते हैं, जिससे संबंधों में तनाव पनपने लगता है। सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्ति जब सामाजिकता की ओर लौटना चाहता है, तो उसे यह एहसास होता है कि समाज में उसका वह पुराना स्थान अब शेष नहीं रहा। जो लोग उससे समय और अपनेपन की चाह रखते थे, उन्हें व्यस्तता के कारण वह दे न सका, और जो लोग उसके पद के कारण उससे जुड़े थे, वे पद के जाते ही दूर होने

लगते हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को अपने रिश्तों और सामाजिक संबंधों को पुनर्स्थापित करने के लिए नये सिरे से प्रयास करने पड़ते हैं। यह स्थिति बिल्कुल वैसी है जैसे कोई अंतरिक्ष यात्री लंबे समय बाद पृथ्वी पर लौटता है—वह पृथ्वी के गुरुत्व और पर्यावरण में ढलने के लिए एक विशेष प्रक्रिया से गुजरता है। वैसे ही नौकरी और सक्रिय जीवन के वर्षों से लौटकर समाज में फिर से समाहित होना भी एक अभ्यास मांगता है। जो इस अभ्यास को समय रहते समझ लेता है, वह रिटायरमेंट के बाद की अपनी दूसरी पारी भी सफलता और उल्लास से खेलता है। रिटायरमेंट के बाद एकदम अगले ही दिन से तो चीजें सामान्य नहीं हो सकतीं, इसीलिए अपने आप को पर्याप्त समय दीजिये, ताकि आप

नए परिवेश में खुद को स्थापित कर सकें। इसलिए यह आवश्यक है कि अपने कार्यकाल के दौरान ही हम समाज, परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों से जीवंत संबंध बनाए रखें। यदा-कदा संवाद, मिलन और सहभागिता के माध्यम से अपने सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखें। रिटायरमेंट कोई अंत नहीं, एक नया आरंभ है। यह वह अवसर है, जब हम अपने छूटे हुए शौक, अधूरे सपने और समाज के प्रति दायित्वों को एक नई ऊर्जा से निभा सकते हैं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, जीवन को सार्थक बनाइए और अपने अनुभवों से दूसरों को समृद्ध कीजिए। अपने लिए एक दोस्त यात्रों का सामाजिक दायरा जरूर बनायें। आपकी जिन्दगी में ऐसे लोग होने ही चाहिए जिनसे आप खुलकर अपने दिल की बात कह सकें। आज चिकित्सा और विज्ञान की प्रगति ने जीवन प्रत्याशा बढ़ा दी है। सत्तर साल की आयु के बाद आपकी स्वास्थ्य रक्षा के लिए सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 'वय वंदना' योजना की सौगात दी है, जिसमें प्रतिवर्ष रुपये पाँच लाख तक की निशुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी है। ऐसे में रिटायरमेंट के बाद भी जीवन के अनेक रंगों को जीने की अपार संभावनाएँ हैं। बस जरूरत है, एक सकारात्मक दृष्टिकोण, निरंतर सक्रियता और आत्मसंयतन की। (साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)



विश्व आदिवासी दिवस- 2025

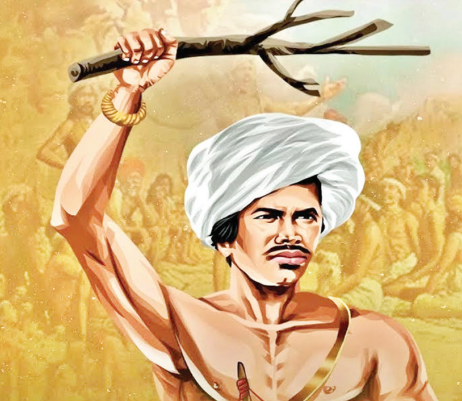
■ ललित गर्ग

विश्व आदिवासी दिवस, केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के स्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवासियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्घोष है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज कोई पिछड़ा समूह नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, सामाजिक समरसता से लेकर आध्यात्मिक परंपराओं तक, हर दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है। आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं। 'जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है'—यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियाँ और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही 'वनवासी' कहलाए गए, परंतु उनका जीवन दर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लुट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएँ केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें 'पराया' बना दिया है। वे भारत में रहकर भी अपने ही देश में अदृश्य नागरिक बन गए हैं, जिनके पास न राशन कार्ड है, न पहचान पत्र, न ही राजनीतिक प्रतिनिधित्व की शक्ति। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की कल्पना में अगर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का सूत्र वाक्य सार्थक करना है, तो आदिवासी पुनर्जागरण सबसे पहली शर्त है। इस दिशा में गुजरात के प्रसिद्ध जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन आदिवासी क्षेत्रों के लिए संघर्ष, सेवा और सद्भाव की त्रयी बन गया है। वे वर्षों से आदिवासी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, रोजगार और संस्कृति संवर्धन के अभियान चला रहे हैं। उनका ःसुखी परिवार अभियानः केवल परिवार को नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज को जागृत करने का एक जनोदोलन बन चुका है। वे आदिवासियों में आत्मबल, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की भावना जगा रहे हैं। बालिका शिक्षा केंद्र, नैतिक शिक्षा अभियान, युवाओं के लिए स्वावलंबन कार्यशालाएँ, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, आदिवासी ग्रामोद्योग, आदिवासी संस्कृति उत्थान और स्व-सहायता समूहों का गठन-ये सभी उनके प्रयासों का हिस्सा हैं। वे जनजातीय

प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं आदिवासी

समाज में अहिंसा, नैतिकता और भारतीय संस्कृति के बीज बो रहे हैं, ताकि वे अपने मूल से कटे नहीं, बल्कि गौरव से जुड़े रहें।

आज आदिवासी समाज को जितना खतरा बाह्य आर्थिक और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहीं अधिक सांस्कृतिक अस्मिता के विघटन से है। धर्मान्तरण की गतिविधियाँ न केवल धार्मिक परिवर्तनों का परिणाम देती हैं, बल्कि उससे जुड़ी मानसिक गुलामी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता भी पनपती है। गणि राजेन्द्र विजयजी इस खतरे को भली-भाँति समझते हैं। उन्होंने धर्मान्तरण के विरुद्ध शांति, संवाद और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मार्ग अपनाया है। उन्होंने जैन धर्म के मूल्यों के साथ-साथ सभी धर्मों के सकारात्मक मूल्यों को आदिवासी जनजीवन से जोड़ा है ताकि वे किसी भी प्रकार की सांस्कृतिक हिंसा से बचें। गणिजी का स्पष्ट मत है



कि हर आदिवासी को अपनी जड़ों में झांकना होगा। उसे यह पहचानना होगा कि वह केवल वनवासी नहीं, अपितु संस्कृति का संवाहक है।' वे आदिवासियों को आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देते हैं कि 'जो अपने मूल से कट जाता है, वह किसी भी विकास का अधिकारी नहीं बन सकता।' उनकी प्रेरणा से कई आदिवासी युवाओं ने शिक्षा ग्रहण की, रोजगार स्थापित किए, कुटीर उद्योगों की ओर बढ़े और सबसे महत्वपूर्ण, अपने आत्मगौरव को पुनः प्राप्त किया। आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार की ओर अग्रसर हो रही है, तब आदिवासी समाज को भी इस बदलाव की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। तकनीक उनके जीवन में केवल बदलाव का कारक नहीं, बल्कि संरक्षण और सशक्तिकरण का माध्यम बन सकती है। एआई आधारित भाषाई अनुवाद तकनीकों से उनकी बोली और लोककथाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जा सकता है, जिससे उनकी सांस्कृतिक विरासत विश्व तक पहुँचे। ड्रोन एवं जीआईएस तकनीक से आदिवासी क्षेत्रों के भू-अधिकार सुरक्षित किए जा सकते हैं। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स, टेलीमैडिसिन और डिजिटल शिक्षा से वे दुर्गम क्षेत्रों में भी उन्नत जीवन स्तर पा सकते हैं। नवाचार तभी सार्थक होगा जब वह जंगलों में बसे एक युवा को भी ग्लोबल लॉगिंग का अवसर प्रदान करे, न कि उसे अपनी जड़ों से काटे। आज की वैश्विक दुनिया 'लोकल टू ग्लोबल' की सोच को प्रोत्साहित कर रही है और आदिवासी समाज इसमें एक अनमोल भागीदार बन सकता है। उनका पारंपरिक ज्ञान,

जैविक खेती, वन औषधियों की समझ, हस्तशिल्प और पर्यावरण संतुलन की परंपराएँ विश्व समुदाय के लिए एक वैकल्पिक जीवनदर्शन बन सकती हैं। इसके लिए जरूरी है कि आदिवासी युवा आधुनिक शिक्षा को अपनाएँ, लेकिन अपनी संस्कृति और जीवनमूल्यों से जुड़े रहें। उन्हें अपने उद्यमिता कौशल को पहचानने और विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे वनोपज आधारित उद्योग, इको-टूरिज्म, वन-हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य उत्सव आदि के माध्यम से वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। डिजिटल मार्केट प्लेस के जरिए उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहुंचाया जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा तभी पूर्ण होगी जब आदिवासी समाज भी अपने भीतर से आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़े।

भारत की स्वतंत्रता केवल मैदानों और दरबारों में नहीं, बल्कि जंगलों और पहाड़ियों में भी लड़ी गई थी, जहाँ आदिवासी वीरों ने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी थी। बिरसा मुंडा जैसे अद्भुत योद्धा और आध्यात्मिक नेता ने न केवल अंग्रेजों के भूमि अधिग्रहण और धर्मान्तरण के विरुद्ध जनजागरण किया, बल्कि एक सशस्त्र संघर्ष को भी नेतृत्व प्रदान किया। झारखंड में चला उनका उलुलुलान आंदोलन (महाविप्लव) आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान की एक ऐतिहासिक घोषणा थी। इसी तरह सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, तेलंगाना के कोमराम भीम, भील आंदोलन के गोविंद गुरु, तेनालीराम बावरी, और नारायण सिंह जैसे अनेक आदिवासी सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध किया कि भारत की आजादी की चिंगारी सबसे पहले आदिवासी अंचलों में धधकी थी। बिरसा मुंडा और आदिवासी वीरों का आजादी में अविस्मरणीय योगदान रहा लेकिन दुर्भाग्यवश, इतिहास की मुख्यधारा में इनके योगदान को उतनी जगह नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। आज विश्व आदिवासी दिवस हमें इन भूलाए गए नायकों को स्मरण करने, उनका गौरव गान करने और नई पीढ़ी में उनकी प्रेरणा जगाने का अवसर देता है।

विश्व आदिवासी दिवस एक प्रतीक दिवस है, परंतु नीति, नीयत और निष्ठा से इसका पालन आवश्यक है। केवल भाषण, घोषणाएँ और योजनाओं से आदिवासी समाज नहीं बदलेगा। उन्हें सुनने, समझने और साथ चलने की आवश्यकता है। उनके जल, जंगल, जमीन के अधिकार की कानूनी एवं नैतिक सुरक्षा हो। उनकी भाषा, परंपरा और नृत्य-संगीत को संरक्षित किया जाए। शिक्षा और स्वास्थ्य के अवसर स्थानीय सांस्कृतिक परिवेश में उपलब्ध कराए जाएँ। आदिवासी नेतृत्व को राजनीतिक सशक्तिकरण मिले। नया भारत आदिवासी आत्मा के बिना अधूरा है क्योंकि भारत की आत्मा आदिवासियों की थापों में बसती है, उनके ढोल, मांदर, बांसुरी, उनके लोकगीत, उनके नृत्य और उनकी सरलता में। यदि हमें नया भारत बनाना है तो हमें आदिवासी समाज के साथ खड़ा होना होगा, उनके लिए नहीं, उनके साथ। गणि राजेन्द्र विजयजी जैसे संत इस दिशा में दीपशिखा बनकर मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। इस विश्व आदिवासी दिवस पर हम केवल स्मरण नहीं, संवेदना, संरक्षण और सहभागिता के साथ इस अद्वितीय समाज के साथ जुड़ें, यही होगा सच्चा राष्ट्रधर्म।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

हर वक्त उपलब्ध रहना, धीरे-धीरे हमें खोखला बना देता है

■ सुंदरचंद ठाकुर

हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहाँ 'उपलब्ध' होना सबसे बड़ा गुण बन गया है। हर समय फोन उठाना, तुरंत जवाब देना, मीटिंग्स में दिखावा, सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना - अब इसे ही जिम्मेदारी, प्रोफेशनलिज्म और आधुनिक जीवन की



निशानी माना जाता है। लेकिन क्या कभी आपने गौर किया है कि ये 24x7 उपलब्धता हमें भीतर से कितना थका रही है? कभी-कभी दिन के अंत में ऐसा क्यों लगता है कि हम सब कुछ कर रहे हैं, पर कुछ भी नहीं कर पा रहे? क्यों हम लगातार जुड़े रहकर भी खुद से कटे हुए महसूस करते हैं - अपनों से, अपने मन से? असल में यह जरूरत से ज्यादा उपलब्ध होना, धीरे-धीरे एक मानसिक थकान, एक अव्यक्त बोझ बन गया है। हम हर वक्त जवाब देने की चिंता में रहते हैं - चाहे वो ईमेल हो, व्हाट्सएप हो या कॉल। हमारा मन कभी शांत नहीं हो पाता, क्योंकि वो हर मिनट किसी बाहरी आवाज की प्रतीक्षा में बैठा है। और इस सबके बीचज हमारी आत्मा, हमारे विचार, हमारी सच्ची ऊर्जा - खोती जा रही है। पहले समय में लोग अनुपलब्ध होते थे और उस अनुपलब्धता में ही उनकी रचनात्मकता, उनकी गहराई, उनका चिंतन पलता था।

महान कलाकार, कवि, लेखक, संत - सब एकांत से निकले। पर आज हम उस मौन से भागते हैं। क्योंकि मौन अब बोरियत लगता है। हमारा मन उस शांति को सहन ही नहीं कर पाता जिसमें आत्मा की सच्ची आवाज सुनाई देती है। हर समय उपलब्ध होने की इस आदत ने एक और नुकसान किया है। उसने हमारे संबंधों में गहराई कम कर दी है। हर कॉल, हर संदेश का तुरंत जवाब देने की मजबूती ने प्रतीक्षा की सुंदरता छीन ली है। हमने अपने रिश्तों में भी एक सतही हड़बड़ी ला दी है। सोचिए - अगर आपका मन हर पांच मिनट में किसी सड़क की प्रतीक्षा कर रहा है, तो वह कभी एकाग्र कैसे हो पाएगा? हमने अपने अंदर एक ऐसा

अलर्ट सिस्टम बसा लिया है जो लगातार सोचता है - 'कहीं किसी ने कुछ भेजा तो नहीं?' 'कहीं मैं लेट तो नहीं रिप्लाई कर रहा?' 'कहीं मुझे नजरअंदाज तो नहीं किया गया?' यह बेचैनी अब उत्पादकता के रूप में छुपी हुई है। हमें यह समझना होगा कि हर समय उपलब्ध रहना कोई सद्गुण नहीं है। बल्कि कभी-कभी अनुपलब्ध होना भी आत्म-संरक्षण है। जब आप सब कुछ और सबको एक्सेस देते हैं, तो धीरे-धीरे आप खुद अपने आप से एक्सेस खो देते हैं। कुछ पल ऐसे होने चाहिए दिन में जब फोन साइलेंट हो। जब आपकी आवाज सिर्फ आपके मन को सुनाई दे। जब आप किसी चैट में नहीं, किसी सच्चे संबंध में हों - अपने भीतर के। यह कोई आलस्य नहीं है। यह आत्म-संवर्धन है। यह अपने अस्तित्व को फिर से जीवित करने का तरीका है। समय आ गया है कि हम ये तय करें कि हम कब, किसके लिए, कितनी देर के लिए उपलब्ध होंगे। क्योंकि अगर आप हर किसी के लिए हर समय उपलब्ध रहेंगे, तो एक दिन आपके पास खुद के लिए कुछ भी नहीं बचेगा। शांति उसी अनुपलब्धता से पैदा होती है, जहां मन थोड़ी देर खुद से संवाद कर पाता है। इसलिए कभी-कभी फोन को नीचे रखिए, खिड़की के पास बैठिए, कोई जवाब मत दीजिए बल्कि अपने किया है। उसने हमारे संबंधों में गहराई कम कर दी है। हर कॉल, हर संदेश का तुरंत जवाब देने की मजबूती ने प्रतीक्षा की सुंदरता छीन ली है। हमने अपने रिश्तों में भी एक सतही हड़बड़ी ला दी है। सोचिए - अगर आपका मन हर पांच मिनट में किसी सड़क की प्रतीक्षा कर रहा है, तो वह कभी एकाग्र कैसे हो पाएगा? हमने अपने अंदर एक ऐसा

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

वेंटीलेटर पर रही महिला का ऑपरेशन करने वाली टीम का सम्मान, विधायक भूपेंद्र सिंह ने कहा-

मरणासन्न गर्भवती की जान बचा कर बीएमसी के चिकित्सकों ने गरीबों में विश्वास पैदा किया

सागर। दोपहर मेट्रो

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की टीम ने गंभीर और मरणासन्न स्थिति में पहुंची गर्भवती महिला का वेंटीलेटर पर होने की हालत में आपरेशन करके उसकी जान बचाई है। उसके लिए मैं पूरे सागर जिले की ओर से चिकित्सकों की टीम का अभिनंदन करता हूं। इस सुखद घटना से गरीब वर्ग में विश्वास पैदा हुआ है कि बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में अच्छा इलाज होता है, यहां के डॉक्टर सेवाभावी हैं और यहां उपचार की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह बात पूर्व गुहमंत्रि, खुर्द विधायक भूपेन्द्र सिंह ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों के सम्मान समारोह में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि साहस, कुशलता और मानवीयता के साथ उपचार देकर एक गर्भवती महिला को मौत के मुंह से खींच लाने का प्रसंग बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज की प्रमाणिकता का संदेश देती है। इसमें अपना योगदान देने वाले डॉक्टर कह सकते हैं कि हमने अपने धर्म का पालन किया है लेकिन समाज में इसका संदेश जाना चाहिए कि बीएमसी के डॉक्टर कितनी मानवीयता के साथ अपना काम कर रहे हैं। समाज के हम सभी जनप्रतिनिधियों, अन्य समाजसेवियों की जिम्मेदारी है कि जब भी समाज में कोई इस तरह उल्लेखनीय और अच्छा काम करे तो उसको सम्मानित किया जाए। उन्होंने नये चिकित्सकों से कहा कि डॉक्टर तो बहुत होते हैं, सबकी डिग्रियां होती हैं लेकिन यश उन्हीं के हाथ में होता है जो मानवीय गुणों से भरे होते हैं।



यदि कोई अनहोनी हो जाती तो इन्हीं चिकित्सकों की आलोचना होती।

बीएमसी के अधिष्ठाता डॉ प्रमोद सिंह ठाकुर ने महिला की जीवन रक्षा की चर्चित घटना की पूरी जानकारी समारोह में दी। उन्होंने बताया कि वेंटीलेटर लगे होने की स्थिति में बड़े आपरेशन का निर्णय लेने के कम ही अवसर चिकित्सा जगत में रिकार्ड हुए हैं। यह निर्णय लेने में जोखिम था क्योंकि यदि कोई अनहोनी हो जाती तो इन्हीं चिकित्सकों की आलोचना होती। लेकिन इससे भयभीत न हो कर चिकित्सकों की टीम ने साहस पूर्वक फैसला लेकर इस क्रिटिकल केस में सफलता अर्जित कर ली।

मेडिकल कॉलेज के स्टाफ ने पेश किया टीम वर्क का अच्छा उदाहरण

विधायक भूपेन्द्र सिंह ने समारोह में महिला की प्राण रक्षा करने वाली चिकित्सकीय टीम में शामिल बीएमसी के स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ शोला जैन, डॉ प्रियंका पटेल, सहायक प्राध्यापक स्त्री रोग विभाग, डॉ टी वर्षा निशेठना विभाग, डॉ मोहम्मद इत्यास, डॉ अजय सिंह सहायक प्राध्यापक निशेठना विभाग, डॉ अभय सिंह राघव निशेठना विभाग, स्टाफ नर्स ज्योति उमरे, सोनिया मसीह का स्वागत पुष्प गुच्छ,शाल श्रीफल और प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया।

बुआ को लेने आए युवक पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाई हत्या के प्रयास का केस दर्ज

सिरोंज। क्षेत्र के ग्राम देहरी में दुकान के बाहर बैठे युवक पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने का मामला सामने आया है। क्षेत्र के ग्राम बेरखेड़ी में रहने वाला शुभम शर्मा शनिवार को अपनी बुआ को लेने के लिए देहरी गांव आया था। उसकी बुआ रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए मायके आ रही थीं। देहरी आने के बाद शुभम सड़क किनारे स्थित अलताफ की किराना दुकान पर बैठ गया। यहां अचानक अलताफ ने दुकान में रखे पेट्रोल को ढक्कन में भर कर शुभम पर डाल दिया। वह कुछ समझ पाता इसके पहले ही अलताफ ने लाइटर से उसे आग भी लगा दी। जिससे शुभम का सीना, पेट और बायां हाथ जख्मी हो गया। जानकारी लगने पर तुरंत ही मौके पर पथरिया पुलिस पहुंची और शुभम को लेकर तुरंत राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय पहुंची। यहां पर उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। मामले की जानकारी लाते ही कुर्वाड़ा एसडीओपी रौशन सिंह भी पथरिया पहुंच गईं। मामला संवेदनशील होने के कारण पुलिस ने इसमें त्वरित कार्रवाई की।



रेल मजदूर संघ ने मंडल अध्यक्ष को बताई अपनी मांगें

इटारसी। दोपहर मेट्रो

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा के आह्वान पर मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे के इटारसी आगमन पर संघ के सदस्यों ने उनका यहां आत्मीय स्वागत किया। पांडेय पंजाब मेल एक्सप्रेस से इटारसी आये और समस्त शाखाओं के अध्यक्ष, सचिव, युवा कार्यकर्ता एवं महिलाओं ने उनका ट्रेन पर स्वागत किया।

इस अवसर पर मंडल कोषाध्यक्ष भागीरथ मोणा, मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य कुंदन अगलवे, संजय कैचे, महाकाल कश्यप, आकाश यादव, राजेश गौर, नितिन



ओंकार, इटारसी पांचों शाखाओं के अध्यक्ष-सचिव मौजूद थे। स्वागत करने के उपरांत मुख्य शाखा में समस्त कर्मचारियों ने मंडल अध्यक्ष को ज्वलंत समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। इसके पश्चात कोऑर्डिनेशन की मीटिंग में सभी ने अपनी अपनी बातें रखीं। मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे ने सभी समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया एवं 3,4,5 सितंबर को दिल्ली जाने प्रेरित किया। उन्होंने सभी शाखाओं की सदस्यता बढ़ाने के लिए कहा। ओल्ड पेंशन पाने एवं निजीकरण समाप्त करने, आठवां वेतन आयोग का गठन जल्द से जल्द हो, रेलवे कर्मचारियों के उसका फायदा मिले जैसे विषयों पर सभी से दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया। उक्त जानकारी मुख्य शाखा के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी ने दी।

प्रहलाद पटेल ने किया पंचायत भवन का शिलान्यास व भूमि पूजन

सागर। पंचायत भवन न केवल स्थानीय प्रशासन का केंद्र हैं, बल्कि ग्रामीण विकास, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक सशक्तीकरण का आधार भी होते हैं। उक्त विचार पंचायत ग्रामीण एवं विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने देवरी विकासखंड की केसली के ग्राम टड्डा में पंचायत भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में व्यक्त किए। ग्राम टड्डा, जनपद पंचायत केसली, जिला सागर में 37.50 लाख की लागत से निर्मित होने जा रहे ग्राम पंचायत भवन का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। इस अवसर पर विधायक बृज बिहारी पटेरिया, जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र ठाकुर, जपंअ देवीबाई सरवन लोधी, जिपंस शिव जीत सिंह श्री उमेश श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी एवं प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी गण उपस्थित रहे।



बुरहानपुर जिला युवा कांग्रेस ने मनाया 65वां स्थापना दिवस



बुरहानपुर। जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष उबेद उल्लाह और पूर्व युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष नजीर अंसारी के नेतृत्व में जिला युवा कांग्रेस ने हमीदपुरा स्थित हुसैन मैरिज हॉल में युवा कांग्रेस का 65 स्थापना दिवस मनाया गया युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष उबेद उल्लाह ने बताया युवा कांग्रेस का ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान किया गया। वृक्षारोपण और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का शॉल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया गया। कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए शपथ ली गई। उबेद उल्लाह ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े युवा संगठन में भारतीय युवा कांग्रेस का संगठन है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए युवाओं का सशक्तिकरण और युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है जो देश के भविष्य को नई दिशा देने के लिए हमेशा तैयार है। कांग्रेस के पूर्व महासचिव अजय सिंह रघुवंशी, पूर्व कांग्रेस बुनकर प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ईकराम अंसारी उर्फ गम्बू सेठ, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि अकील औलिया, यशवंत चौकसे, प्रदेश महासचिव इन्द्रसेन देशमुख, महिला जिला अध्यक्ष सरिता भगत, पूर्व पार्षद सिद्धीक पहलवान,अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष इमरान खान, नासिर अंसारी,एडवोकेट रेहान खान, शरीफ तड़वी, आशिष महाजन,विनय पाटिल,प्रवीण महाजन,सहित युवा कांग्रेस साथी उपस्थित रहे।

शहर में बढ़ते नशे पर लगाम लगाने आए ने किया प्रदर्शन



गंजबासौदा। शहर में बढ़ते नशे पर रोकथाम के लिए आम आदमी पार्टी ने जयस्तंभ चौक पर प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए एक तहसील पहुंचकर एक ज्ञापन एसडीएम विजय राय को सौंपा है। आम आदमी पार्टी के विधानसभा प्रभारी देवेन्द्र केवट ने बताया कि नवीन कृषि उपज मंडी, रेलवे स्टेशन, न्यू बस स्टैंड और मिर्जापुर पंचमा बायपास रोड स्थित शराब दुकानों के स्थानांतरण हेतु प्रशासन को ज्ञापन दिया गया था। ज्ञापन दिए जाने के बावजूद अब तक इन शराब दुकानों का स्थानांतरण नहीं किया गया। इसी मुद्दे को लेकर जय स्तंभ चौक पर धरना प्रदर्शन किया गया तथा अनुविभागीय अधिकारी को जिला अध्यक्ष प्रमोद शर्मा द्वारा पुनः ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि सात दिवस के भीतर इन शराब दुकानों का स्थानांतरण नहीं किया गया तो आम आदमी पार्टी गंजबासौदा में चरणबद्ध आंदोलन धरना प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल करने के लिए बाध्य होगी। इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी। ज्ञापन में वरिष्ठ नेता अजीत कुमार जैन, प्रदीप मैथिल,कमलेश कुशवाह, नर्मदा प्रसाद लोधी,रानू नामदेव,अमित कुमार मिश्रा, शिवराज अहिरवार तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कई जिलों में फिर शुरू हुआ बारिश का दौर, इस महीने कोटा पूरा होने की उम्मीद

नर्मदापुरम। प्रदेश में टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिविटी होने से कई जिलों में तेज बारिश का दौर चल रहा है। आज के लिए हरदा, नर्मदापुरम और बैतूल में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव होने से 13 अगस्त से फिर प्रदेश में तेज बारिश का दौर शुरू होगा। इससे पहले भी प्रदेश के कई जिले तरबतर होंगे। इससे पहले शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा। दमोह में 9 घंटे में साढ़े तीन इंच पानी गिर गया। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले पांच दिन तक कई जिलों में भारी बारिश होगी। 13-14 अगस्त से बारिश की एक्टिविटी तेज होगी। यानी, अगस्त के दूसरे पखवाड़े में प्रदेश में भारी बारिश का दौर बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक 28.8 इंच बारिश हो चुकी है, जो कुल बारिश का 78 प्रतिशत है। जून-जुलाई में स्ट्रॉन सिस्टम की वजह से अब तक 34 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है। इसमें भी पूर्वी हिस्सा जैनेन्द्र- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल सभाग ठीक है। इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं है। इंदौर संभाग के 8 में से 5 जिले ऐसे हैं, जहां 13 इंच से कम पानी गिरा है। सिर्फ अलीराजपुर और झाबुआ में ही 20 इंच से ज्यादा पानी गिरा है। दूसरी ओर, ग्वालियर में सबसे ज्यादा 35 इंच बारिश हो चुकी है। यहां कुल बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। जबलपुर और भोपाल की तस्वीर भी बेहतर है।

मेट्रो एंकर

बाबा बैजनाथ महादेव धाम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा-

आगर-मालवा को मिलेगी रेल की सौगात, तरक्की को लगेंगे पंख

आगर मालवा। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के किसानों के लाभार्थ कंपनियों को राज्य में निवेश करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के आगर मालवा जिले में करीब 4 हजार करोड़ का निवेश हो रहा है। यहां आलू से जुड़े उत्पादों का बड़ा कारखाना स्थापित होने वाला है। जो किसान उपज के रूप में आलू उगाएंगे, उन्हें चार गुना ज्यादा दाम मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केन्द्रीय रेल मंत्री अधिनी वैष्णव से चर्चा हुई है। आगर-मालवा जिले को भी जल्द ही रेल की सौगत मिलेगी। बाबा बैजनाथ महादेव धाम में रक्षाबंधन कार्यक्रम में यह बात बताई। श्रावण पर्व के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बहनों से राखी बंधवाई, उन्हें मिठाई खिलाई, उपहार दिए और सावन के झूले में भी झुलाया। उन्होंने दिव्यांगजनों को उपकरण भी वितरित किए। कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव ने कहा कि आने वाला समय महिलाओं का ही है। राज्य की विधानसभा हो या देश की लोकसभा, सबमें महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ने वाला है।



गांव और कस्बे में नदी जोड़ो परियोजना का लाभ मिलेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का बड़ा लाभ आगर-मालवा जिले को भी मिलेगा। इससे जिले के हर एक गांव और कस्बे को पीने का पानी मिलेगा, साथ ही यहां के एक-एक खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचेगा। आगर-मालवा जिले के थाना आगर-मालवा और एसडीओपी ऑफिस आगर-मालवा को आईएसओ प्रमाण-पत्र मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर्ष जताया। कार्यक्रम में विधायक आगर-मालवा माधीसिंह गेहलोत, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद भी उपस्थित थे।

हरेक गांव और कस्बे को मिलेगा पीने का पानी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का बड़ा लाभ आगर-मालवा जिले को भी मिलेगा। इससे जिले के हर एक गांव और कस्बे को पीने का पानी मिलेगा साथ ही यहां के एक-एक खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इंदौर में मेट्रो रेल शुरू हो चुकी है, भोपाल में जल्द ही शुरू होने वाली है। इससे पहले रायसेन जिले में वंदे भारत और मेट्रो रेल के कोच बनाने की बीईएमएल की रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री का भूमिपूजन होने जा रहा है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री 10 अगस्त को इस फैक्ट्री का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष जताया कि आगर-मालवा जिले के थाना आगर-मालवा और एसडीओपी ऑफिस आगर-मालवा को आईएसओ प्रमाण-पत्र मिला है।

WEST CENTRAL RAILWAY

Open Tender

Notice No. WCR-CRWS-FURN-NLR-25-68R

Name of work: Stripping of Mechanical & Electrical Items and Supply & Fitment all interior Furnishing Items such as Paneling Seat & Berth, Passenger Amenities Items such as PU Ladder, Signages, PVC, Windows, Main Door, Entrance Hand Rail wall door, communication door, Vestibule Bellow Complete (LH,RH & Top, Plumbing items, LED Lights, Modular Switches etc. of LHB Coaches.

1. Original Online tender closing date and time- 27.08.2025 Up-to 16.00 Hrs., Revised Online tender closing date and time: 29.08.2025 Up-to 16.00 hrs., Original date and time of opening of Tender- 27.08.2025 Up-to 16.30 Hrs., Revised date and time of opening Tender: 29.08.2025 Up-to 16.30 hrs. Original Online Bidding Start Date 13.08.2025, Revised Online Bidding Start Date: 15.08.2025. 2. Tender document para no. 31 & tender schedule of rates & quantities Note: para no. 11, at. no. 6 has revised. 3. Technical - Compliance of NIT, para no. 1 has revised. Detailed information about compendium is available at Website www.ircoe.gov.in.

(SD)

Chief Workshop Manager

CRWS, Nishatpura, WCR, Bhopal

लख नरत अखिल

एक कदम स्वच्छता की ओर

महेश्वर में सामने आया हैवानियत का मामला, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

नाबालिग बेटी से पिता ने किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर डिलीवरी कराई और नवजात को झाड़ियों में फेंका

मनोज गौड़ । महेश्वर

खरगोन जिले के महेश्वर थाना क्षेत्र में एक नवजात बच्ची के कचरे में मिलने के मामले का जब पुलिस ने खुलासा किया तो हैवानियत वाला मामला सामने आया। एक कलयुगी पिता ने अपनी ही नाबालिग बेटी से दुष्कर्म किया और फिर घर पर उसकी डिलीवरी कराकर नवजात बच्ची को झाड़ियों में फेंक दिया था। पुलिस ने इस जघन्य अपराध का खुलासा करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना 4 अगस्त को तब सामने आई, जब महेश्वर के एक गांव में करीब एक दिन की नवजात बालिका झाड़ियों में लावारिस हालत में मिली। बच्ची के चेहरे और हाथों पर चींटियों के काटने के निशान थे, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक थी। पुलिस ने तत्काल धारा 93 बीएनएस के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने बताया कि जांच के दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली, जिससे पता चला कि यह बच्ची एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की की है। पीड़िता की हालत कमजोर होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद वन स्टॉप सेंटर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने जब पीड़िता से पूछताछ की, तो उसने एक खौफनाक कहानी बताई। पीड़िता ने बताया कि वह अपने पिता के साथ गुजरात के राजकोट में मजदूरी करने गई थी। वहीं उसके पिता ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया, जिसके कारण वह गर्भवती हो गई।



घर पर कराई डिलीवरी और नवजात को फेंका

पीड़िता ने बताया कि जब उसकी तबीयत खराब हुई, तो पिता उसे महेश्वर वापस ले आया। घर पर ही उसने उसकी डिलीवरी कराई। इस दौरान पीड़िता बेहोश हो गई थी। बच्ची के जन्म के बाद, उसके पिता ने नवजात को झाड़ियों में फेंक दिया और उसे उसी हालत में छोड़कर भाग गया।पिता के जाने के बाद, पीड़िता ने घर का अनाज बेचकर कुछ पैसे जुटाए और अपने चचेरे भाई को फोन करके पूरी घटना के बारे में बताया।

जांच के लिए भेजे डीएनए सैंपल

पुलिस ने पीड़िता के बयान धारा 183 के तहत कोर्ट में दर्ज कराए। इसके बाद, मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने नवजात बच्ची, पीड़िता और आरोपी पिता के डीएनए सैंपल भी जांच के लिए भेजे हैं, ताकि सभी तथ्यों की पुष्टि की जा सके। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है, और लोग आरोपी की हैवानियत पर हैरानी जता रहे हैं।

पहली बार इंदौर से नवी मुंबई के लिए उड़ान, विंटर शेड्यूल में होगी शुरुआत

इंदौर । दोपहर मेट्रो

इंदौर एयरपोर्ट पर 26 अक्टूबर से 28 मार्च तक विंटर शेड्यूल लागू होगा। इस दौरान इंदौर को कुछ नए शहरों की एयर कनेक्टिविटी मिलेगी। इंदौर से मुंबई के लिए कई उड़ानें हैं, लेकिन नई उड़ान नवी मुंबई के लिए शुरू होगी। नवी मुंबई में नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट तैयार हो रहा है। जल्दी ही वहां से उड़ानों का संचालन शुरू होगा। इंदौर से नवी मुंबई जाने वाले यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट लेने में इस नए एयरपोर्ट से आसानी होगी। कई अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने नवी मुंबई एयरपोर्ट से संचालित होगी। इंदौर से रीवा के लिए के लिए भी उड़ान सेवा शुरू होगी। रीवा के लिए पहली बार इंदौर से उड़ान शुरू होगी। पहले बंद हो चुकी नासिक, जम्मू, उदयपुर उड़ान भी शुरू हो सकती है।विंटर शेड्यूल के दौरान नई उड़ान शुरू करने के लिए एयरलाइंस डायरेक्टर जनरल आफ सिविल एविएशन के साथ एयरपोर्ट प्रबंधन से भी अनुमति लेता है। नवी मुंबई और रीवा की उड़ान की अनुमति के प्रक्रिया एयरलाइंस कंपनियों ने की थी। दोनों नई उड़ानों के लिए दोनों एयरपोर्ट से अनुमति मिल चुकी है। अब कंपनियां उड़ानों को शेड्यूल कर उसकी जानकारी

फैमिली कोर्ट का आदेश

बिना वजह पति को छोड़ा, भरण-पोषण की याचिका कोर्ट ने कर दी खारिज

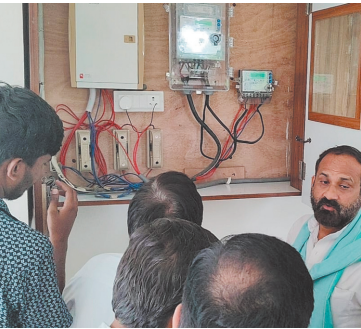
शिवपुरी। कुटुम्ब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश शालिनी शर्मा सिंह ने आकारण पति का त्याग करने वाली महिला द्वारा लगाई गई भरण-पोषण याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया है कि, वह पढ़ी लिखी महिला है और खुद कमा कर अपना भरण-पोषण कर सकती है। जानकारी के अनुसार बैंक कालोनी कलारबाग निवासी बृजेश शिवहरे की 24 वर्षीय बेटी रागिनी उर्फ भूमि की शादी 21 नवम्बर 2021 को ब्यावरा जिला राजगढ़ निवासी खेमचंद्र उर्फ अंकित पुत्र भगवान सिंह शिवहरे के साथ संपन्न हुई थी। रागिनी 16 जुलाई 2022 को अपने पिता के साथ ससुराल से मायके लौट आई। उसका आरोप था कि ससुराल वाले उसे 5 लाख रुपये के दहेज के लिए प्रताड़ित करते हैं, जबकि उसके पिता ने शादी के समय दहेज में आठ लाख रुपये नगद, सोने-चांदी के जेवर व घर-गृहस्थी का सामान दिया था। रागिनी ने कुटुम्ब न्यायालय में इस आधार पर भरण-पोषण का दावा पेश किया कि उसके पास भरण-पोषण का कोई साधन नहीं है और उसका पति एक क्लोनिक, मेडिकल स्टोर व पोल्ट्री फार्म चलाता है एवं साधन संपन्न व्यक्ति है।

मेट्रो एंकर

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

ग्वारीघाट स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज के समीप एक उपभोक्ता के घर में लगे स्मार्ट मीटर की तेज़ रफ्तार ने एक बार फिर इन मीटरों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उपभोक्ता महेश अग्रवाल ने अपने बिजली बिल में असामान्य वृद्धि देखी, तो उन्होंने संदेह के आधार पर एक चेक मीटर लगवाया। पाँच महीनों तक दोनों मीटरों को साथ चलाने के बाद जो आंकड़े सामने आए, उन्होंने सभी को चौंका दिया। स्मार्ट मीटर ने कुल मिलाकर लगभग 600 यूनिट अतिरिक्त खपत दर्ज की, जबकि चेक मीटर की रीडिंग उससे करीब 300 यूनिट कम रही। यह अंतर स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि स्मार्ट मीटर ने उपभोक्ता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाला और वास्तविक खपत से कहीं अधिक यूनिट दर्शाए।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इस



उपभोक्ता के परिसर में स्मार्ट मीटर को दो बार बदला गया, फिर भी यह अंतर बना रहा। स्मार्ट मीटर रोजाना औसतन पाँच यूनिट से अधिक की खपत दर्ज कर रहा था, जबकि वास्तविक खपत इससे काफी कम थी। इस बात से यह सिद्ध होता है कि यह कोई एक मशीन की तकनीकी समस्या

नहीं, बल्कि व्यापक स्तर पर एक गंभीर तकनीकी विफलता है, जिसका खामियाजा सीधे आम जनता को उठाना पड़ रहा है।

इस मामले की जानकारी मिलते ही नगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष सौरभ 'नाटी' शर्मा मौके पर पहुंचे और उन्होंने पूरे घटनाक्रम का अवलोकन किया। उन्होंने चेक मीटर की रीडिंग और स्मार्ट मीटर की गति की स्वयं तुलना की और पाया कि उपभोक्ता की शिकायत पूरी तरह से सही है। शर्मा ने इस पूरे प्रकरण को एक आम नागरिक के साथ आर्थिक अन्याय की संज्ञा दी और कहा कि यह कोई अलग-थलग मामला नहीं है, बल्कि हजारों उपभोक्ता ऐसे हैं जो स्मार्ट मीटरों की गड़बड़ियों के कारण हर महीने अतिरिक्त बिल भरने को मजबूर हैं। यह सीधे-सीधे जनता की जेब पर डाका डालने जैसा है और इसे किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जा सकता।



सुविधा केन्द्र में रखे इवर्टर में शॉर्ट-सर्किट होने से आग लगी, जिससे समीप में रखे एलपीजी सिलेंडर चपेट में आ गए और एक के बाद एक पांच सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। धमाकों की आवाज से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग से दुकान सहित उसमें रखा सामान जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू किया। आग लगने की वजह दुकान में रखे इन्वर्टर में शॉर्ट- सर्किट होना बताया गया है। पुलिस ने रविवार को आगजनी का केस दर्ज कर जांच शुरू की।

थाना प्रभारी रवि ठाकुर के अनुसार बीती रात ग्राम गांगारोनी में आभापुर रोड पर जन

राजगढ़ के जन सुविधा केंद्र में रखे थे गैस एजेंसी के सिलेंडर

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जीरापुर थाना क्षेत्र के ग्राम गांगारोनी में आभापुरा मार्ग स्थित जन सुविधा केन्द्र पर अचानक आग लग गई, जिससे पाईट में रखे एलपीजी सिलेंडर आग की चपेट में आए और एक के बाद एक पांच सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। धमाकों की आवाज से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग से दुकान सहित उसमें रखा सामान जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू किया। आग लगने की वजह दुकान में रखे इन्वर्टर में शॉर्ट- सर्किट होना बताया गया है। पुलिस ने रविवार को आगजनी का केस दर्ज कर जांच शुरू की।

थाना प्रभारी रवि ठाकुर के अनुसार बीती रात ग्राम गांगारोनी में आभापुर रोड पर जन

विश्व आदिवासी दिवस पर निकाला जुलूस

आदिवासी समाज ने संस्कृति व परंपराओं का किया प्रदर्शन

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर महेश्वर में आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया। जिलेभर से बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में यहाँ पहुंचे। ढोल-मादल की थाप और गीतों की गूंज के बीच पारंपरिक नृत्य ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

इस मौके पर वक्ताओं ने आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और योगदान पर प्रकाश डालते हुए आदिवासी क्रांति के वीर नायक तांत्या भील के साहस और बलिदान को भी याद किया। तांत्या भील को 'आदिवासियों का मसीहा' कहा जाता है, जिन्होंने 19वीं सदी में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज बुलंद की और जन-जन में

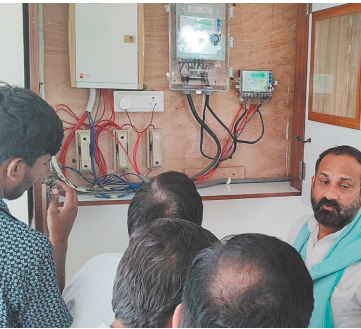


आज़ादी की चिंगारी जगाई। वे गरीबों और दबे-कुचलों के हक में खड़े रहे और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, एकता और गौरव का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जिसने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बाहर से आए आगंतुकों का भी मन मोह लिया।

था। आग से दुकान में रखे कुर्सी-टेबल, इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर खाक हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला साथ ही दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू किया गया। बताया गया है कि गांव के पुरुषोत्तम गुप्ता की दुकान में प्रेम लववंशी जन सुविधा केन्द्र संचालित करता है। जन सुविधा केन्द्र का गैस एजेंसी से अनुबंध है, जो क्षेत्र में सुविधा के तौर पर उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर वितरित करता है। घटना से दहशत में आए ग्रामीणों ने मांग की है कि एलपीजी गैस सिलेंडरों का भंडारण या गोदाम किसी भी परिस्थिति में रहवासी क्षेत्र में नही होना चाहिए। साथ ही प्रशासन को सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना चाहिए। थाना प्रभारी रवि ठाकुर का कहना है कि केन्द्र पर रखे इवर्टर में शॉर्ट- सर्किट होने से आग फैली और एक के बाद एक पांच सिलेंडर ब्लास्ट हुए, जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई है। मामले में केन्द्र में रखे सुरक्षा मानकों की उपलब्धता की जांच की जा रही है।

चैक मीटर लगाकर जांच की तो आधी ही निकली बिजली की खपत

स्मार्ट मीटर निकला सुपरफास्ट! 5 महीने में डकार गया 600 यूनिट



उपभोक्ता के परिसर में स्मार्ट मीटर को दो बार बदला गया, फिर भी यह अंतर बना रहा। स्मार्ट मीटर रोजाना औसतन पाँच यूनिट से अधिक की खपत दर्ज कर रहा था, जबकि वास्तविक खपत इससे काफी कम थी। इस बात से यह सिद्ध होता है कि यह कोई एक मशीन की तकनीकी समस्या

नहीं, बल्कि व्यापक स्तर पर एक गंभीर तकनीकी विफलता है, जिसका खामियाजा सीधे आम जनता को उठाना पड़ रहा है।

इस मामले की जानकारी मिलते ही नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ 'नाटी' शर्मा मौके पर पहुंचे और उन्होंने पूरे घटनाक्रम का अवलोकन किया। उन्होंने चेक मीटर की रीडिंग और स्मार्ट मीटर की गति की स्वयं तुलना की और पाया कि उपभोक्ता की शिकायत पूरी तरह से सही है। शर्मा ने इस पूरे प्रकरण को एक आम नागरिक के साथ आर्थिक अन्याय की संज्ञा दी और कहा कि यह कोई अलग-थलग मामला नहीं है, बल्कि हजारों उपभोक्ता ऐसे हैं जो स्मार्ट मीटरों की गड़बड़ियों के कारण हर महीने अतिरिक्त बिल भरने को मजबूर हैं। यह सीधे-सीधे जनता की जेब पर डाका डालने जैसा है और इसे किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जा सकता।

स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली और सटीकता पर गंभीर संदेह

शर्मा ने आगे कहा कि जब एक ही परिसर में दो मीटर एकसाथ लगे हों और उनमें इतना बड़ा अंतर देखने को मिले, तो यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली और सटीकता पर गंभीर संदेह किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मामले को लेकर पूरी तरह गंभीर है और यदि विद्युत विभाग ने संपूर्ण शहर में लगे स्मार्ट मीटरों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच नहीं कराई तथा जिन उपभोक्ताओं को नुकसान हुआ है उन्हें बिलों में समुचित राहत नहीं दी, तो कांग्रेस इसे सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से उठाएगी। उन्होंने इस पूरे मामले को जनता के हक की लड़ाई बताते हुए कहा कि कांग्रेस किसी भी स्थिति में ऐसी गड़बड़ियों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

वक्फ सम्पत्तियों की रक्षा और भ्रष्टाचार रोकने के लिए बोर्ड अध्यक्ष को ज्ञापन



बुरहानपुर। मध्य प्रदेश मुस्लिम महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुनव्वर अली खान के नेतृत्व में, बुरहानपुर के जागरूक नागरिक और खानका वार्ड के सैय्यद इशाक अली द्वारा वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया। इसमें वक्फ संपत्तियों के संरक्षण, भ्रष्टाचार पर रोक और राजनीतिक हस्तक्षेप समाप्त करने की मांग की गई। ज्ञापन में जो प्रमुख मुद्दे प्रमुख मुद्दे उठाए गए हैं उनमें वक्फ संपत्तियों की अवैध किराएदारी और अनुचित लाभ, ब्लैक मनी में सौदे संपत्तियों की गुप्त और गैर-कानूनी बिक्री रोकने की बात शामिल है। इसके अलावा मस्जिद कमेटी गठन में भ्रष्टाचार , दोहरी रिश्तखोरी और राजनीतिक दबाव, शिकायतों पर कार्यवाही के बदले समझौते करने के आरोप लगाए गए हैं। मांग की गई है कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए तुरंत कार्रवाई की जाए। सभी अवैध किराएदारी और सौदों की जांच कर मस्जिद कमेटी गठन में पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाए। साथ ही दोषियों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सनव्वर पटेल ने प्रतिनिधिमंडल से विस्तृत चर्चा के बाद आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वक्फ संपत्तियों के संरक्षण हेतु पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में मुनव्वर अली खान प्रदेश अध्यक्ष, मध्य प्रदेश मुस्लिम महासभा, इराशद अली खान प्रदेश महासचिव ,मोहम्मद अली जिला अध्यक्ष, भोपाल , उमर असलम सचिव, मिर्झी कौसिल, नफीस उर रहमान (रूमी भाई) उपाध्यक्ष, यूनाइटेड अवेयरनेस मिशन आदि शामिल थे।

पिता के निधन के बाद बेटे का फर्ज बेटी ने निभाया, मुखाग्नि देकर सिर मुंडाया

मंदसौर। जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने ऐसे लोगों को आईना दिखाने का काम किया है। यहां एक बेटी ने पिता के निधन के बाद बेटे का फर्ज निभाया। उसने पिता की अर्धी को कांधा तो दिया ही साथ ही चिता को मुखाग्नि देने के बाद मुंडन भी कराया है। मंदसौर जिले के पिपलिया विरिनया गांव में रहने वाली 17 साल की सिमरन ने पिता घीसालाल के निधन के बाद परंपरा की दीवारें तोड़ते हुए बेटे का कर्तव्य निभाया। पिता घीसालाल कुछ समय से अस्वस्थ थे और बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। घीसालाल की तीन बेटियां हैं जिनमें से दो की शादी हो चुकी है और सिमरन सबसे छोटी है और अविवाहित है। घीसालाल के निधन के बाद परिवार व समाज के लोगों को चिंता थी कि अब घीसालाल का अंतिम संस्कार कौन करेगा। तभी सिमरन आगे आई और बेटे का फर्ज निभाया।शवयात्रा में सिमरन ने अपने पिता की अर्धी को कंधा दिया। रमशान घाट पर उसने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार संपन्न किया। इतना ही नहीं परंपरा अनुसार मुंडन भी कराया। सिमरन का अपने पिता से गहरा लगाव था।



माहौल बिगाड़ने की साजिश! मंदिर में घुसकर प्रतिमा तोड़ी, आरोपी धराया

देवास। प्रदेश के देवास जिले में हनुमान जी की मूर्ति खंडित करने का मामला सामने आया है। हालांकि, ये चौंकाने वाला घटनाक्रम शुक्रवार का है, लेकिन अब पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले युवक को दबोच लिया है। वहीं, पुलिस पकड़े गए आरोपी को आदतन नशेड़ी बता रही है, पर खास बात ये है कि पिछले कई दिनों से लगातार इस तरह के कृत्य कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हुए प्रदेश में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। ऐसे मामलों में एक छोटी सी ऊंच-नीच माहौल बिगड़ने का कारण बन सकती है। फिलहाल, पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। देवास शहर के इंद्रानगर बोरखेड़ी इलाके में स्थित तेजाजी मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति खंडित की गई थी। इस कृत्य का पता जब स्थानीय लोगों को चला तो मंदिर के बाहर सैकड़ों लोग पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मामले की गंभीरता को मद्देनजर रखते हुए मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने मामला शांत कराते हुए विशेष टीम बनाकर जांच शुरू कराई।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान, पांच करोड़ की मांग



सागर। बेतवा और बीना नदी के आसपास बाढ़ से खराब हुई फसलों का सर्वे किया जा रहा है और यहां फसलों में पचास प्रतिशत से ज्यादा नुकसान आंका जा रहा है। इसके आधार पर ही राहत राशि के लिए मांग भेजी गई है। जानकारी के अनुसार बाढ़ से बीस गांवों की करीब चार हजार हैक्टेयर की फसल खराब हुई है, जिसका सर्वे पटवारी कर रहे हैं। यहां 36 घंटे से ज्यादा फसल पानी में डूबे रहने बर्बाद हुई हैं, जिससे नुकसान पचास प्रतिशत से ऊपर आंका जा रहा है। इसी नुकसान के अनुसार किसानों को राहत राशि देने के लिए करीब पांच करोड़ रुपए की मांग राजस्व विभाग द्वारा भेजी गई है। किसान ने तब इंद्र सिंह ने बताया कि अभी सिर्फ बाढ़ प्रभावित फसलों का सर्वे किया जा रहा है। जबकि अतिवृष्टि से पूरे क्षेत्र की फसलें खराब हुई हैं और किसानों को बहुत नुकसान हुआ है। लगातार बारिश होने के कारण फसलें छोटी रहने से उत्पादन नहीं होगा, इसलिए पूरे क्षेत्र की फसलों का सर्वे कर किसानों को राहत राशि दी जाए। यदि सर्वे नहीं होगा, तो प्रदर्शन किया जाएगा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसलों का सर्वे चल रहा है, जहां पचास प्रतिशत से ज्यादा नुकसान आंका गया है। इसके लिए करीब पांच करोड़ रुपए की मांग भेजी गई है, जिससे किसानों को राहत राशि मिल सके।

घर में कपड़ों छुपकर बैठे सांप ने लड़की को सांप ने काटा, मौत

सीधी। सीधी से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवती को कपड़े बदलते वक्त जहरीले सांप ने डस लिया जिसके बाद तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में इलाज के दौरान युवती की कुछ देर बाद मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सांप कपड़ों में छिपा हुआ था और जैसे ही युवती ने कपड़े उठाए तो उसे सांप ने काट लिया। हैरान कर देने वाली घटना सीधी जिले के मड़वास थाना इलाके के खजुरिहा गांव की है जहां रहने वाली पूजा नाम की युवती निमंत्रण में शामिल होने के लिए जाने के लिए तैयार हो रही थी। पूजा ने कपड़े बदलने के लिए जैसे ही अलमारी से कपड़े निकाले तो कपड़ों में छिपे बैठे जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सांप के काटने की बात पूजा ने परिजन को बताई जिसके बाद परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

आईसीसी के पोस्टर से फैस में मची हलचल, 2026 में भारत-इंग्लैंड के बीच होगी व्हाइट बॉल सीरीज

...तो रोहित शर्मा ही होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के कैप्टन?

नई दिल्ली , एजेंसी

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल को पहले ही अलविदा कह चुके थे। ऐसे में वो भारत के लिए सिर्फ वनडे क्रिकेट नजर आएंगे। भारतीय टीम को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे मुकाबले भी खेलने हैं, जिसमें रोहित शर्मा खेलते नजर आ सकते हैं।

इसी बीच इंटरनेशनल क्रिकेट कार्डिसल (ट्विष्ट) ने रोहित शर्मा से जुड़ा एक ऐसा पोस्टर जारी किया, जिसने भारतीय क्रिकेट

फैन्स के बीच हलचल मचा दी। यह पोस्टर आईसीसी ने 2026 में भारत-इंग्लैंड के बीच इंग्लिश जमीन पर होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज को लेकर जारी किया था। इस पोस्टर में रोहित शर्मा के अलावा हैरी ब्रूक की भी तस्वीर थी। रोहित जहां भारत की वनडे टीम के कप्तान हैं, वहीं ब्रूक व्हाइट बॉल क्रिकेट में इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं। आईसीसी के पोस्टर ने फैन्स को सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या रोहित शर्मा ही 2027 वर्ल्ड कप तक भारत की वनडे टीम की कप्तान संभालेंगे। दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी ने इस पोस्टर को कुछ समय बाद अपने सोशल



मीडिया अकाउंट्स से बिना कारण बताए हटा दिया। हालांकि तब तक आईसीसी का ये पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका था। भारतीय टीम के हेड कोच गैरतम गंधी ने साफ किया था कि 2027 वर्ल्ड कप को लेकर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा। गंधी ने कहा था, हमारे पास उससे पहले एक टी20 वर्ल्ड कप है, जो अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होगा। फिलहाल पूरा फोकस उसी पर है। नवंबर-दिसंबर 2027 अब भी ढाई साल दूर है। अगर आप प्रदर्शन करते रहते हैं, तो उस सिर्फ एक नंबर है।

शुभमन और सूर्यकुमार ने कप्तानी में दिखाया है दम

रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव को इस फॉर्मेट में भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था। वहीं रोहित ने जब टेस्ट से संन्यास लिया तो शुभमन गिल ने क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में भारतीय टीम की कप्तान संभाली। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से टेस्ट सीरीज ज़ूँ कराई थी। जबकि टी20 में बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अभी

तक अच्छ नहीं रहा है। रोहित शर्मा 2027 के क्रिकेट वर्ल्ड कप तक भारतीय वनडे टीम के कप्तान रहेंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है। लेकिन आईसीसी के इस पोस्टर ने सनसनी जरूर मचा दी है। 2027 वर्ल्ड कप में अब भी दो साल से ज्यादा का वक़्त है। तब तक रोहित शर्मा 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे। ऐसे में रोहित शर्मा खुद को फिट रख पाते हैं, तो वो जरूर इस मेगा इवेंट का हिस्सा बन पाएंगे।।।



न्यूजीलैंड ने दर्ज की अपनी सबसे बड़ी टेस्ट जीत,

कहर बनकर टूटा डेब्यूटेंट गेंदबाज जिम्बाब्वे का

सूपड़ा हो गया साफ

बुलावायो, एजेंसी

न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला बुलावायो के क्रीस स्पोर्ट क्लब में खेला गया। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने मेजबान टीम के खिलाफ पारी और 359 रनों से जीत हासिल की। टेस्ट इतिहास में कीवी टीम की ये सबसे बड़ी जीत रही। यह मुकाबला तीसरे दिन के खेल के पहले सेशन में ही समाप्त हो गया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने टेस्ट सीरीज में जिम्बाब्वे का 2-0 से सूपड़ा साफ कर दिया।

मुकाबले में जिम्बाब्वे की टीम

अपनी पहली पारी में सिर्फ 125 रनों पर ढेर हो गई। काफी समय बाद मैदान पर वापसी करने वाले ब्रैंडन टेलर ने 44 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से फास्ट बॉलर मेट हेनरी ने पांच और अपना डेब्यू मुकाबला खेलने उतरे तेज गेंदबाज जकारी फाउलकेस ने चार विकेट लिए। जबाब में न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी 3 विकेट के नुकसान पर 601 रन बनाकर घोषित की। यानी पहली पारी के आधार पर न्यूजीलैंड को 476 रनों की विशाल लीड मिली। डेवोन कॉन्वे (153), हेनरी निकोल्स (150*) और रचिन खवींद्र (165*) ने बेहतरीन शतकीय पारियां खेलीं।

दूसरी पारी में भी मेजबान टीम का बुरा हाल

इसके बाद जिम्बाब्वे के बल्लेबाज दूसरी पारी में में भी बेबस नजर आए। नतीजतन जिम्बाब्वे की पूरी टीम दूसरी पारी में सिर्फ 117 रनों पर सिमट गई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। जिम्बाब्वे की ओर से निक वेल्च ने नाबाद 47 रन बनाए। उनका बाकी बल्लेबाजों ने तनिक भी साथ नहीं दिया। जकारी फाउलकेस ने न्यूजीलैंड की ओर से दूसरी पारी में 5 विकेट निकाले। यानी मैच में उन्होंने कुल 9 विकेट लिए। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि इस टेस्ट सीरीज में 16 विकेट लेने वाले कीवी तेज गेंदबाज मेट हेनरी प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

दूसरे टेस्ट में जिम्बाब्वे की प्लेइंग-11: ब्रायन बनेट , ब्रैंडन टेलर , निक वेल्च , सीन विलियम्स , क्रेग एर्विन (कप्तान), सिकंदर रजा, तफदजवा त्सिगा (विकेटकीपर), विसेंट मारसेकासा, ब्लेसिंग मुजारबानी, ट्रेवर ग्वॉडू, तनाका चिवांगा।

दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की प्लेइंग-11: विल यंग, डेवोन कॉन्वे, हेनरी निकोल्स, रचिन खवींद्र, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), मिचेल सेंटनर (कप्तान), जकारी फाउलकेस, मेट हेनरी, मैथ्यू फिशर, जैकब डफी।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना



‘बर्फी’ के लिए जॉइन की थी वर्कशॉप, डायरेक्टर को दी थीं गालियां: प्रियंका चोपड़ा का खुलासा

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा को हाल ही में फिल्म हेड ऑफ स्टेट में देखा गया था। शनिवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि कैसे उन्हें बर्फी के लिए कास्ट किया गया था। साथ ही बताया कि बर्फी की झिलमिल उनके यादगार किरदारों में से एक है। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया। इसमें बर्फी के सीन दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म को अनुराग बसु ने डायरेक्ट किया था। साथ ही, उन्होंने शेयर किया कि कैसे वो ये रोल लगभग खोने वाली थीं।

प्रियंका ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, जनवरी 2009 में मैं न्यूयॉर्क में अंजना अंजानी की शूटिंग कर रही थी। तब रणवीर कपूर ने उनकी नई फिल्म बर्फी के बारे में बताया, जिसे अनुराग बसु बना रहे थे। मैं भी उनके काम की तारीफ करती हूं। उन्होंने मुझे जब झिलमिल का रोल ऑफर किया तो मैं बहुत खुश हुई। हम मुंबई में उनके

घर पर मिले, तब मैं सजी-धजी एक कार्यक्रम से लौटी थी, पर उन्होंने मुझे देखा और कहा कि वो झिलमिल के रूप में उन्हें सोच नहीं पा रहे हैं, पर हम फिर भी 5 दिन की वर्कशॉप के लिए तैयार हो गए। उन्होंने आगे बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान उनकी कितनी बुरी हालत हो गई थी। उन्होंने कहा, हमने खुद को रिसर्च में डुबो दिया, पढ़ना, वीडियो देखना, बच्चों के साथ मीटिंग जो ऑटिज्म से पीड़ित थे और आराम नगर के ऑफिस में एक्सरसाइज करते थे। एक दिन उन्होंने मुझे कहा कि मैं उस पर गंदी हिंदी गालियां बरसाऊ। शर्मिंदा होकर, मैंने फिर भी कोशिश की; यह मजेदार था, और इसने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला। और फिर बसु-स्टाइल अभ्यास के बाद, झिलमिल का जन्म हुआ। अधिकतर बर्फी-झिलमिल के सीन बिना तैयारी के किए गए थे।

यह मेरी अनमोल फिल्मों में से एक

प्रियंका ने कहा, +सर ने एक आइडिया शेयर किया और हमने उस पर काम शुरू कर दिया। यह मेरे पिताजी के सेट पर मुझसे मिलने के आखिरी दिनों में से एक था। बर्फी !, मेरी सबसे अनमोल फिल्मों में से एक है। रवि वर्मन की सिनेमैटोग्राफी बेस्ट थी। खूबसूरत इलियाना डिक्रूज ने श्रुति को एक अद्भुत रूप दिया, रणवीर एक स्टार की तरह चमके, और अनुराग सर शानदार, सौम्य और चंचल थे। उनकी कहानी कहने की कला जादुई है।+ बर्फी अनुराग बसु की सिनेमा को लिखे गए एक लव लेटर की तरह है, जिसे भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भेजा गया था, लेकिन दुर्भाग्यवश ये कोई अवॉर्ड न जीत सकी।

अहान पांडे और अनीत पट्टा स्टारर सैयारा ने रिलीज होते ही जबरदस्त धूम मचाई और बॉक्स ऑफिस पर एक-एक कर कई रिकॉर्ड्स तोड़ डाले। अब 22 दिन पूरे कर रही ये फिल्म थिएटरों में धीमी पड़ती दिख रही है। हालांकि, उम्मीद है कि इस वीकेंड का पूरा फायदा मोहित सूरि की इस फिल्म को मिल सकता है, जहां राखी की छुट्टियों का माहौल रहेगा। आइए जानते हैं इस फिल्म ने 22वें दिन बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की है।



जहां से दोनों की राहें अलग भी हो जाती हैं

इस फिल्म की कहानी अहान यानी कृष कपूर और अनीत पट्टा यानी वाणी की लव स्टोरी है। दोनों एक ऐसे यंग कलाकार की भूमिका में हैं, जिनका खूबियां अलग हैं, मिजाज अलग हैं और आखिर दिल से वे एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं। हालांकि, कहानी में ऐसा मोड़ भी आता है जहां से दोनों की राहें अलग भी हो जाती हैं। हालांकि, टैजिडी वाला हिस्सा ही फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी साबित होती दिख रही है। इस खूबसूरत लव स्टोरी की बात करें तो फिल्म का म्यूजिकल टाइटल ट्रैक सैयारा समेत ज्यादातर गाने मिथुन, तनिक बगची, सवेत-परंपरा समेत आधा दर्जन कम्पोजर्स ने मिलकर सजाया है। इन गानों को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं।

सिर्फ किसी को भाई-बहन कह देने से रिश्ता नहीं बनता : ईशा

अभिनेत्री ईशा कोपिकर के लिए, रक्षाबंधन किसी लिखावे या भव्य सार्वजनिक प्रदर्शन का नहीं है - बल्कि साथ होने, जुड़ाव और भावनात्मक सच्चाई का पर्व है। बचपन में, कोपिकर परिवार में यह त्यौहार हमेशा एक निजी उत्सव होता था, जिसे वे अपने माता-पिता और भाई अनाश सहित अपने परिवार के साथ घर पर सादगी से मनाया जाता था। ईशा बताती हैं, हमेशा से यह छोटे-छोटे पलों के बारे में रहा है। यह अब एक परंपरा बन गई है, जबसे मैं बच्चों थी। मम्मी वही खास पकवान बनाती हैं जो सिर्फ वही बना सकती हैं, हम सब अपने फोन और गैजेट्स को एक तरफ रख देते हैं और बस साथ में समय बिताते हैं। वह

समय, वह हैंसी, वह रिश्ता - यही सब मेरे लिए राखी को इतना खास बनाता है। वह हैंसते हुए यह भी कहती हैं कि वह हर साल अपने भाई से वही आम तोहफे मांगती हैं जो ज्यादातर बहनें मांगती हैं, लेकिन वह तुरंत यह भी स्पष्ट कर देती हैं कि उनके लिए यह त्योहार कभी भी भौतिक उपहारों के बारे में नहीं रहा। वो तो बस मजेदार पल होते हैं, लेकिन जो सच में मायने रखता है वो ये है कि आपका भाई हर हाल में आपके साथ खड़ा हो। ईशा कहती हैं। उनके भाई ने हमेशा उन्हें ताकत दी है, एक ऐसा रिश्ता जिसे वह हल्के में नहीं लेतीं। वह बताती हैं, चाहे बचपन की शरारतें हों या बड़े होने की चुनौतियाँ, वह हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं।

सैयारा ने वो किया जो छावा नहीं कर पाई

तमाम स्टार किड्स की तुलना में अहान पांडे ने फिल्मों की दुनिया में बाजी मार ली है। अहान की ये फिल्म ब्लॉकबस्टर हो चुकी है और इसी के साथ फिल्मी दुनिया को दो ऐसे सितारे मिल चुके हैं जिसकी तलाश फैन्स को लंबे समय से थी। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने शुक्रवार को 1.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। कुल मिलाकर इस फिल्म ने देशी बॉक्स ऑफिस पर 310.40 करोड़ रुपये की कमाई की है। सैयारा के वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें तो इसने 21 दिनों में 512.00 करोड़ की कमाई। वहीं उम्मीद है कि 22वें दिन इस फिल्म ने करीब 515 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया होगा। वहीं 21 दिनों में विदेशों में इस फिल्म ने 142 करोड़ के आसपास कमाई की है। इसी के साथ ये फिल्म विदेशों से सबसे अधिक कमाई करने वाली इस साल की नंबर 1 फिल्म साबित हो चुकी है।

नाले के पानी में डूबा 8 साल का मासूम, 7 घंटे बाद मिली लाश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

परवलिया सड़क थाना गांव बड़ली मबारकपुर में नाले में डूबने से 8 साल के मासूम की मौत हो गई। घटना कल की है। घटना के समय मासूम अपनी 2 साल की बहन के साथ खेल रहा था, तभी नाल में डूब गया। करीब 7 घंटे बाद पुलिस ने उसकी लाश नाले से बरामद कर ली।

सहायक उप निरीक्षक अजय चंद्रवंशी ने बताया देवांश पिता राघवेंद्र पाल (8)



जेसीबी से पानी किया डायवर्ट

एएसआई अजय ने बताया नाले में करीब 8 फीट गहरा पानी था। बारिश का पानी होने के कारण कुछ नजर नहीं आ रहा था। मोटर लगाकर पानी खाली करने का प्रयास किया गया, लेकिन पानी कम नहीं हो रहा था। सरपंच की मदद से जेसीबी बुलवाई गई और पानी को डायवर्ट कराया गया। पानी कम होने पर नाले में उतरकर देवांश की तलाश की गई। इस दौरान लाश मिल गई।

गांव बड़ली मुबारकपुर थाना परवलिया सड़क में रहता था। सुबह वह अपनी 2 साल की बहन के साथ मोहल्ले में खेल रहा था। बहन घर लौट आई लेकिन वह घर नहीं

लौटा। परिजन मोहल्ले में उसकी तलाश करने निकले, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मामला नाबालिक से जुड़ा होने के कारण

पुलिस ने गुमशुदगी और अपहरण का प्रकरण दर्ज कर मासूम की तलाश की मोहल्ले में पृष्ठछाछ करने पर पता चला कि बच्चा बहन के साथ नाले के पास खेलता हुआ देखा गया था।

मानसिक संतुलन था खराब

परिजन ने बताया कि देवांश का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। वह अक्सर खेलते समय यहां वहां चला जाता था। गांव के लोगों से घर छोड़ देते थे।

1610 उम्मीदवारों ने ही किया ज्वाइन, खाली रह गए अधिकांश पद

पुलिस भर्ती में चयनित 1000 से अधिक उम्मीदवारों ने बटालियन में नहीं दी आमद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्य प्रदेश पुलिस की स्पेशल आर्म्ड फोर्स (एसएएफ) में नौकरी करने के लिए युवाओं की रूचि नहीं है। स्थिति यह है कि भर्ती के बाद भी इस बार एक हजार पद खाली रह गए। दरअसल हाल ही में हुई पुलिस चयन भर्ती परीक्षा के जरिए कुल 6423 उम्मीदवारों का चयन हुआ था। इनमें 5090 पुरुष और 1333 महिलाएं थीं। इनमें से लगभग 2600 पद एसएएफ के लिए थे और शेष जिला पुलिस बल और जीआरपी के लिए थे।

भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित अभ्यर्थियों में केवल 1610 उम्मीदवारों ने ही एसएएफ के आरक्षक पद पर अपनी ज्वाइनिंग दी। शेष 1000 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों ने ट्रेनिंग के लिए एसएएफ की बटालियनों में आमद नहीं दी। देखा जाय तो प्रदेश पुलिस के लिए कुल 1 लाख 26 हजार पद स्वीकृत हैं, जिनमें



एसएएफ के 23000 पद शामिल हैं। विभाग के ही अफसरों की माने तो एसएएफ में ज्वाइनिंग से कतराने का एक बड़ा कारण यह भी है कि जिला पुलिस बल और विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के बीच मिलने वाली सुविधाओं को लेकर काफी अंतर है। जिला पुलिस बल के कर्मचारियों को अपने परिवार के साथ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने की सुविधा मिलती है। डे और नाइट शिफ्ट में ड्यूटी लगाई जाती है। अपनी शिफ्ट पूरी करने के बाद पुलिसकर्मियों घर जा सकते हैं। वहीं

एसएएफ का काम जिला बल से तुलनात्मक ज्यादा कठिन होता है। उन्हें बटालियन की लाइन में रहना पड़ता है। इसके अलावा, वीआईपी मूवमेंट, प्राकृतिक आपदाओं, चुनाव ड्यूटी और राज्य के साथ-साथ अन्य-अन्य प्रदेशों तक में भी उन्हें तैनात किया जा सकता है। कई बार मंत्री और अफसरों के बंगले पर अर्दली के तौर पर भी इनकी ड्यूटी रहती है। एसएएफ कर्मियों को बिना अनुमति के बटालियन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि जिला पुलिस के कर्मचारी

अलग अलग कारणों से नहीं किया ज्वाइन

स्पेशल आर्म्ड फोर्स के महानिरीक्षक इरशाद वली के अनुसार लगभग 1000 उम्मीदवारों ने अलग-अलग कारण बताते हुए ज्वाइन नहीं किया है। उनके अनुसार इनमें से कुछ उम्मीदवारों का चयन राज्य या देश की अन्य सेवाओं में हो गया है, जबकि कुछ का चयन अन्य पदों पर हुआ है। इनमें से अधिकांश ने एसएएफ की नौकरी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने बताया कि अब बची हुई रिक्तियों को भरने के लिए प्रतीक्षा सूची के खुलने का इंतजार है। इस संबंध में जल्द मुख्यालय की चयन एवं भर्ती शाखा निर्णय लेगी।

अपनी ड्यूटी के बाद कहीं भी घूम सकते हैं। नाम न बताने की शर्त पर एसएएफ के एक जवान ने कहा कि जिला पुलिस बल की तरह हम लोग भी फ्रीलैंड में काम करते हैं लेकिन हम लोगों को कभी थानों में पदस्थ नहीं किया जाता। अभी तक ऐसी नीति नहीं बनी जिससे थानों में एसएएफ कर्मियों का स्थानांतरण किया जा सके। यही कारण है कि एसएएफ के बजाय लोग पुलिस बल में जाना पसंद करते हैं।

शराब पीने के लिए अड़ीबाजी, रॉड से सिर पर हमला



भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित नादरा बस स्टैंड पर ट्रैवल्स की दुकान पर काम करने वाले युवक से हेल्पर ने अड़ीबाजी कर दी। वह शराब पीने के लिए रुपए मांग रहा था। रुपए नहीं देने पर आरोपी रॉड से हमला कर दिया। रॉड सिर में लगने से युवक को गंभीर चोट आई है।

पुलिस ने अड़ीबाजी और मारपीट का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि सुनील कुमार तिवारी (44) राजवंश कालोनी करौंद में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह बस स्टैंड पर संचालित होने वाले भोपाल ट्रैवल्स में काम करता है। वह बस स्टैंड पर मुरली टी स्टाल के पास अपने दोस्त दिनेश के साथ खड़ा था। इसी बीच वहां प्रदीप नाम का युवक पहुंचा। वह बस स्टैंड पर हेल्पर का काम करता है। प्रदीप ने उससे शराब पीने के लिए 500 रुपए मांगे। सुनील ने रुपए देने से मना किया तो आरोपी भड़क गया। वह गालीगलौज करने लगा। सुनील ने गाली देने से मना किया तो आरोपी प्रदीप ने सुनील पर रॉड से हमला कर दिया। रॉड से सिर लगने से सुनील को गंभीर चोट आई है।

पेट्रोल पंप के सामने कान्हासैया में हुआ हदसा

खड़े ट्रक में टकराई बाइक, एक युवक की मौत, साथी घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित कल्याणपुर में पेट्रोल पंप के सामने सड़क किनारे खड़े ट्रक में बाइक सवार जा घुसे। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे उसके साथी को मामूली चोट आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ट्रक जब्त कर ड्राइवर पर कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार सुखदेव कीर पिता सीताराम कीर (33) देहागांव, सुल्तानपुर में रहता था। इन दिनों वह कल्याणपुर में मुकेश ठाकुर के खेत में हाली का काम कर रहा था। रक्षा बंधन का पर्व होने के कारण सुखदेव अपने साथी मनोज के साथ अपने गांव जाने के लिए निकला था। दोनों बाइक से सवार होकर रात करीब साढ़े दस बजे खेत से निकले थे। कान्हासइया में अजीम प्रेम जी यूनिवर्सिटी से आगे बढ़े और साहू पेट्रोल पंप के सामने पहुंचे थे। बाइक सुखदेव चला रहा था। बाइक की रफ्तार अधिक होने के कारण सड़क किनारे खड़ा ट्रक एकाएक नजर आया और जब तक



सुखदेव की बाइक ट्रक में घुस चुकी थी। इस हादसे में सुखदेव को सिर और नाक के पास गंभीर चोट थी। खून अधिक बहने के कारण उसकी मौत पर ही मौत हो गई, जबकि मनोज को मामूली चोट होने के कारण अस्पताल से इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

पिता-पुत्र के विवाद में समझाइश देने पहुंचे युवक पर चाकू से हमला

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित अटल अट्युब नगर में रहने वाले पिता-पुत्र के विवाद में पड़ोसी ने बीचबचाव किया तो पुत्र ने पड़ोसी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू लगने से उसे कलाई और पेट में बाईं ओर गंभीर चोट आई है। उसे बचाने परिचित पहुंचा तो आरोपी ने उस पर भी चाकू से हमला किया है।

प्रेम सिंह उर्फ चिन्टू (42) संतोषी माता मंदिर के पीछे अटल अट्युब नगर में रहता है। उसने बताया कि वह डेकोरेशन का काम करता है। उनके पड़ोस में विष्णु माली रहता है। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात विष्णु माली अपने पिता ओम प्रकाश माली से विवाद करते हुए गालीगलौज कर रहा था। यह सुनकर प्रेम सिंह विष्णु माली को समझाने पहुंचे। इस पर विष्णु माली ने उनके साथ गालीगलौज शुरू कर दी। गाली देने से मना करने पर विष्णु अंदर से बड़ा से चाकू ले आया और हमला कर दिया। हमला होने से चाकू उनके बाएं हाथ की कलाई और पेट में बाएं तरफ लगा। उनका दोस्त सचिन बीच बचाव करने के लिए पहुंचा तो आरोपी उस पर भी चाकू से हमला किया था। चाकू सचिन के बाएं पैर में जांच पीछे की तरफ चाकू लगा है।



इसी प्रकार विष्णु माली (42) ने बताया कि वह चौक पर चट्टी बनियान का ठेला लगाता है। शुक्रवार-शनिवार की रात घर में अपने पिताजी के साथ चिल्ला चोट कर रहा था, तभी पड़ोसी प्रेम सिंह उर्फ चिन्टू जला और सचिन पहुंचे। सचिन

देर रात रास्ता रोककर हमला

गौतम नगर पुलिस ने बताया कि इकराम कुंरेशी (32) संभावना अस्पताल के पास थाना हनुमानगंज में रहता है। उसने अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर शिकायत करते हुए बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात अपनी बहू के घर पहुंचा था। वहां से अपने घर अपनी बाइक से जा रहा था। इसी बीच रास्ते में शाहिद भंडा मिला। शाहिद ने गाड़ी रोकी और गाली गलौज करने लगा। उसे गाली देने से मना किया तो उसने अपनी पास रखी छुरी निकालकर हमला कर दिया। छुरी पीट में लगने से उसे गंभीर चोट आई है। इकराम की चीख पुकार सुनकर कुछ लोग मदद के लिए आए। इस बीच आरोपी शाहिद भंडा वहां से भाग निकला।

हाथ में डंडा लिए हुए था। दोनों ने उससे गालीगलौज की और सचिन ने अपने हाथ में रखे डंडे से हमला कर दिया। डंडा बायां हाथ की कोहनी के पास व पैर में लगा था। इसी बीच चिंटू ने मुझे जमीन पर पटक दिया। इससे दाएं हाथ की अंगुलियों और मुंह के पास चोट आई है।

मेट्रो एंकर

गौतम नगर पुलिस ने दर्ज किया चार लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

पार्षद प्रतिनिधि बताकर टायरों से भरा ट्रक जलाने की धमकी, कहा चोरी का माल है

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित निशातपुर ब्रिज के पास शुक्रवार रात स्कूब टायरों से भरा ट्रक खाली कराने को लेकर विवाद और हंगामा हो गया। खुद को पार्षद प्रतिनिधि बताने वाले शख्स ने अपने तीन साथियों के साथ जमकर हंगामा किया और धमकी दी कि माल चोरी का है। यहां नहीं उतरेगा। ट्रक में आग लगा देंगे। जबकि फरियादी का कहना है कि उसने टायर गुजरात से मंगाए हैं और उसकी बिल्टी और जीएसीटी बिल भी मौजूद है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।



पुलिस के मुताबिक बाग नुजहत अफ्जा न्यू आरिफ नगर निवासी हलीम खान (36) साद टायर नाम से कबाडखाने में पुराने टायर की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार

8 अगस्त की रात साढ़े 12 बजे गुजरात से आयशर ट्रक पुराने स्कूब टायर मय बिल्टी के लेकर आया था। हलीम खान ने स्कूब टायर खरीदकर बुलवाए थे। फरियादी

फाइल फोटो

निशातपुर ब्रिज के नीचे तक्षशिला कॉलेज के सामने पुराने स्कूब टायर अपनी छोटी लीलेंड गाड़ी में खाली करवा रहे थे। तभी वहां रहने वाले भगवान सिंह राजपूत आए और बोले कि मैं वाई क्रमांक 12 का पार्षद प्रतिनिधि हूं। भगवान सिंह ने आवाज देकर मोनू कुशवाह, अभिषेक और चरण कुशवाह को भी बुला लिया। चारों कहने लगे कि यह चोरी का माल है। हम इन टायरों का यहां नहीं उतरने देंगे और न ही कहीं ले जाने देंगे। चारों ने मिलकर ड्राइवर अफजल से जबरदस्ती गाड़ी की चाबी निकाल ली और गाड़ी के सामने खड़े होकर आगे बढ़ने से रोक लिया। फरियादी हलीम का कहना है कि उसने कई बार कहा कि माल चोरी का नहीं एक नंबर का है। माल की बिल्टी और जीएसटी बिल भी है। इस पर चारों गाली-गलौज कर गाड़ी में आग लगाने की धमकी देने लगे। वे कह रहे थे कि आईदा यहां पर गाड़ी खाली की तो जान से खत्म कर देंगे। इस बीच बड़ी संख्या में वहां लोग इकट्ठा हो गए थे।